खबर संक्षेप

जुआ खेलते 3 धराये

शहडोल। थाना धनपुरी क्षेत्रांतर्गत मुखबिर द्वारा सूचना प्राप्त हुई कि स्थानिय धनपुरी कस्बे में कुछ व्यक्ति हारजीत का दांव लगाकर जुआ खेल रहे है। सूचना पर धनपुरी पुलिस द्वारा उक्त स्थान पर दबिश देकर जुआरी छविलाल वर्मन पिता कमलेश वर्मन उम्र 32 वर्ष, पारस वर्मा पिता बाबूलाल वर्मा उम्र 25 वर्ष, मुकेश बैगा पिता विश्वनाथ बैगा उम्र 25 वर्ष सभी निवासी वार्ड नं. 25 सरकारी टोला धनपुरी के कब्जे से तास के 52 पत्ते एवं 320 रूपये नगदी जब्त किया गया। पुलिस द्वारा आरोपियों के विरूद्ध जुआ एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया। उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी धनपुरी के नेतृत्व में प्रधान आरक्षक गेंद सिंह की सराहनीय भूमिका रही।

130 वाहन चालकों से गये वसूले शुल्क

शहडोल। जिला पुलिस द्वारा 04 मई को बिना हेलमेट लगाए दो पहिया वाहन चालाने वाले, बिना सीटबेल्ट लगाये चार पहिया वाहन चलाने वाले चालकों एवं अन्य के विरूद्ध विभिन्न धाराओं के तहत 130 चालानों में 49.700 रूपये समंस शुल्क वसूल किया गया कार्यवाही जारी है। पुलिस द्वारा संबंधितों के विरूद्ध चालानी कार्यवाही करते हुए नियमों का पालन करने हेतु कड़ाईपूर्वक निर्देशित किया गया।

कमिश्नर ने विद्युत वितरण केन्द्र पपौंध का किया निरीक्षण

शहडोल। कमिश्नर बी. एस. जामोद ने शनिवार को जिले के ब्यौहारी तहसील के ग्राम पंचायत पपौंध में स्थित विद्युत वितरण उप केन्द्र का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कमिश्नर ने पपौंध क्षेत्र में विद्युत वितरण के संबंध में अधिकारियों से जानकारी ली। इस दौरान विद्युत वितरण कंपनी के अधीक्षण यंत्री चन्द्रभान कुशवाहा ने कमिश्नर को पपौंध क्षेत्र मे विद्युत वितरण से संबंधित व्यवस्थाओं और प्रक्रियाओं के संबंध मे जानकारी दी। इस दौरान कमिश्नर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पपौंध क्षेत्र के ग्रामीणों को समुचित बिजली की आपूर्ति सुनिश्चित कराए।

कमिश्नर ने ग्राम पंचायत कुआं में तालाब का किया निरीक्षण

शहडोल। कमिश्नर बी. एस. जामोद शनिवार को जनपद पंचायत ब्यौहारी के ग्राम पंचायत कुआं में अमृत सरोवर योजना के अंतर्गत निर्मित तालाब का अधिकारियों के दल के साथ निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कमिश्नर ने तालाब निर्माण में लगी निर्माण सामग्री का अवलोकन किया तथा निर्माण सामग्री के संबंध में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत से चर्चा की। चर्चा के दौरान कमिश्नर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अमृत सरोवर योजना के तालाबों में उच्च गुणवत्ता की निर्माण समग्री का उपयोग होना चाहिए। कमिश्नर ने निर्देश दिए कि अमृत सरोवर योजना के तालाबो में पानी का संग्रहण हो और संग्रहित पानी का लाभ लोगों को मिले यह सुनिश्चित करें। अमृत सरोवर तालाबों के निर्माण का उद्देश्य वर्षा के जल को रोकना है, पानी को रोकने के लिए हर संभव प्रयास होना चाहिए। निरीक्षण के दौरान संयुक्त आयुक्त विकास मगन सिंह कनेश, अधीक्षण यंत्री ग्रामीण यंत्रिकी सेवा सुनील परिमार, एसडीएम ब्यौहारी नरेन्द्र सिंह धुव्रे सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

कर्मचारियों का रोना, लिस्ट बनाकर वसूली में मशगूल

नियुक्ति के साथ ही शहडोल के लिए आफत लेकर आए पटले

पदस्थापना के बाद दो की मौत, अवैध खनन के दर्जनों बड़े मामले आए सामने

शनिवार और रविवार की दरमियानी रात शहडोल जिले में खनिज विभाग के संरक्षण में चल रहे पनप रहे खनिज माफिया ने एक बार फिर शासकीय कर्मी की जान ले ली, पहले की तरह एक बार फिर आचार संहिता का फायदा खनिज अधिकारी को मिला,वे खुद को किनारे करके पूरी जिम्मेदारी पुलिस और राजस्व अधिकारियों पर डालते नजर आए।

शहडोल

शनिवार और रविवार की दरमियानी रात जिले के ब्योहारी थाना अंतर्गत ग्राम खड़हुली में खनिज माफिया ने एएसआई की हत्या कर दी,इससे ठीक 5 दिन पहले 19 फरवरी को खनिज माफिया के द्वारा ही शहडोल खनिज कार्यालय में पदस्थ निरीक्षक और अन्य से मारपीट की गई और उनसे अवैध रेत से लदा वाहन छुड़ा लिया गया, इस मामले में खनिज अधिकारी की चुप्पी सामने आई और अपने मातहत अधिकारियों की रक्षा करने की जगह वह मामले को टालते नजर आए थे, बीती रात हुई घटना के करीब 5 माह पहले इसी स्थान पर 25 नवंबर को पटवारी प्रसन्न सिंह की रेत माफिया ने ट्रैक्टर से कुचलकर हत्या कर दी थी,ठीक उसी तर्ज पर दूसरी बार जिले में खनन माफिया का आतंक सामने आया है, और पहले की तरह इस बार भी आदर्श आचार संहिता लगी हुई है जिस कारण प्रदेश के मुख्यमंत्री और अन्य प्रशासनिक अधिकारी चुनाव की व्यवस्थाओं में व्यस्त है, इसका पूरा फायदा खनिज विभाग के स्थानीय अधिकारी उठा रहे हैं, रविवार की सुबह जब यह मामला सामने आया तो बीते वर्ष नवंबर में हुई घटना की तर्ज पर खनिज अधिकारी देवेंद्र पटले एक बार फिर पीछे की पंक्ति में खड़े होकर खुद को किनारे और दोष मुक्त मानते हुए पुलिस और राजस्व अधिकारियों को जिम्मेदार ठहराते नजर आए, यही नहीं बैकडोर से उन्होंने यह हवा भी फैलाई की हत्या का कारण माफिया और पुलिस विभाग की जुगलबंदी है जबकि जिले ही नहीं बल्कि प्रदेश भर में खनिज संपदा की देखरेख और उससे राजस्व वसूल कर शासन के खाते में जमा करने का काम खनिज अमले को ही दिया गया है और इसके एवज में उन्हें मोटा वेतन भी दिया जाता है, रविवार के दिन भर यह पूरा मामला सुर्खियों में रहा, लेकिन खनिज निरीक्षक देवेंद्र पटले कहीं भी सामने नहीं थे,बल्कि प्रशासनिक व पुलिस अधिकारी और स्थानीय नेता ही कार्यवाही और मीडिया तथा अन्य चर्चाओं के बीच थे।

यह हुआ था बीती रात

शनिवार तथा रविवार की दरमियानी रात करीब 12 से 1 बजे के बीच ब्यौहारी थाना क्षेत्र अंतर्गत पदस्थ एएसआई महेंद्र सिंह बागरी की खनिज माफिया ने हत्या कर दी। ब्यौहारी थाने में पदस्थ एएसआई महेंद्र सिंह बागरी के साथ गया कनौजिया और आरक्षक संजय द्विवेदी संभवत सडक़ मार्ग पर वारंटी पकडऩे के लिए जा रहे थे। यह बताया गया कि इसी दौरान ग्राम नोडिया सडक़ मार्ग पर खडौली में अवैध रेत से लदी एक ट्रैक्टर सामने की तरफ से आ रहा था, जो पुलिस के वाहन को देखकर पुलिसकर्मी जब नीचे उतरे और वहां के समीप जाने लगे तो ट्रैक्टर चालक चलती ट्रैक्टर से कूद कर भाग गया और ट्रैक्टर एएसआई महेंद्र सिंह बागरी के ऊपर चढ़ गया, पुलिस अधिकारी की मौके पर मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने पर देर रात ही पुलिस सक्रिय हो गई और यह बताया गया कि उक्त ट्रैक्टर ब्योहारी से लगभग 5 किलोमीटर दूर जिस स्थान पर हादसा हुआ वहां समधीन नदी से रेत का अवैध उत्खनन कर कर ला रही थी, ट्रैक्टर ग्राम जमोड़ी के सुरेंद्र सिंह की बताई गई है और उसका संचालन उसका पुत्र आशुतोष सिंह करता था, वाहन को विजय रावत नाम का युवक चल रहा था, पुलिस ने देर रात ही आशुतोष सिंह और विजय रावत को गिरफ्तार कर लिया है और ट्रैक्टर जप्त कर ब्योहरी थाने लाया गया। सुबह होते-होते पुलिस अधीक्षक कुमार प्रतीक के साथ एडीजीपी तथा अन्य अधिकारी भी मौके पर पहुंच गए।

तीन पुत्रियों के पिता थे महेन्द्र

मृतक पुलिसकर्मी के साथी सहकर्मी एएसआई गया प्रसाद कनौजिया एवं आरक्षक संजय द्विवेदी ने मामले की जानकारी थाने एवं वरिष्ठ अधिकारियों को दी। मामले की जानकारी लगते ही मौके पर कुछ मिनट के अंदर ही थाना स्टाफ पहुंचा जब तक एएसआई महेंद्र की मौत हो चुकी थी। बीते कुछ माह पहले उक्त क्षेत्र मे ही रेत का अवैध उत्खनन व परिवहन को रोकने पटवारी का एक दल पहुंचा था, जिसमे पटवारी को रेत माफियाओ ने ट्रैक्टर से कुचलकर मार डाला था। दो दिन पूर्व रेत माफिया इसी क्षेत्र में खनिज विभाग की टीम पर हमला करते हुए रेत से भरे ट्रैक्टर को लेकर फरार हो गए थे। घटना की जानकारी लगने के बाद देर रात ही शहडोल एडीजीपी डीसी सागर, पुलिस अधीक्षक कुमार प्रतीक एवं वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे गए थे। घटना के बाद फरार ट्रैक्टर चालक व एक अन्य को पुलिस ने कुछ घंटे के अंदर ही गिरफ्तार कर लिया गया है। मृतक एएसआई के परिवार में पत्नी के अलावा तीन पुत्रिया हैं, जिसमें सबसे बड़ी पुत्री की उम्र करीब 14 वर्ष है। वह मूल रूप से सतना जिले के रहने वाले थे।

हर दिन लाखों का अवैध खनन

ब्यौहारी विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत देवलोंद, पपौंध और ब्यौहारी थाना क्षेत्र से प्रतिदिन सैकड़ा भर अवैध रेत से लदी गाडिय़ों की निकासी हो रही है, स्थानीय ग्रामीण और कस्बाई क्षेत्रों में ट्रैक्टर और डग्गियों के माध्यम से दर्जनों भर से अधिक स्थानों से रेत का खनन कर उसकी आपूर्ति की जाती है, वहीं सैकड़ा भर हाईवा और ट्रकों के माध्यम से भी विभिन्न क्षेत्रों से रेत की निकासी होती है, जिसे न तो, रेत का ठेका लेने वाली कंपनी के कारिंदे रोक पा रहे हैं और न ही खनिज विभाग के जिम्मेदार, यह आरोप जरूर है कि स्थानीय पुलिस अमले को इसकी पूरी खबर है, लेकिन बीट प्रभारियों से लेकर थाना प्रभारी तक अपने जुगाड़ के फेर में प्रतिदिन शासन के लाखों की राजस्व की चोरी होते देख रहे हैं।

खनिज विभाग पर लगा ग्रहण

बीते वर्ष विधानसभा चुनाव से ठीक पहले नवंबर माह के अंतिम सप्ताह में अवैध रेत के खनन में जुटे माफिया ने पटवारी हत्याकांड को अंजाम दिया था, पटवारी प्रसन्न सिंह बघेल की हत्या के बाद यह मामला पूरे प्रदेश में सुर्खियों में था, लेकिन इसके बाद भी भोपाल में बैठे सरकार के जिम्मेदारों ने खनिज अधिकारी या फिर खनिज महकमें में इस घटना के लिए किसी को भी इसके लिए जिम्मेदार नहीं माना, यही वजह रही की नवंबर 2023 से शुरू हुआ जिले में अवैध खनन का काम जिले के लिए नासूर बन चुका है, बीते सप्ताह भी इस तरह का एक और मामला सामने आया था जिसमें अवैध खनन में लगे माफिया ने शहडोल खनिज विभाग के निरीक्षक पर हमला किया था, नवंबर से लेकर मई माह तक दर्जन भर से अधिक घटनाएं सामने आई है, जिसमें अवैध खनन को लेकर मारपीट और हत्या के प्रयास भी शामिल है, इस दौरान खनिज विभाग ने कितनी कार्यवाहियां की यह भी अपने आप में अजब है, शहडोल में एक बार फिर उसी खनिज निरीक्षक की तैनाती के दौरान शासकीय कर्मचारी की हत्या हो गई और पूर्व की तरह इस बार भी खनिज विभाग खुद को किनारे हुए किए हुए हैं और पूरा का पूरा दारोमदार स्थानीय राजस्व अधिकारियों और पुलिस पर टिका हुआ है।

फरार आरोपी पर इनाम घोषित

घटना के कुछ समय के भीतर ही प्रकरण के मुख्य आरोपी विजय रावत एवं आशुतोष सिंह को गिरफ्तार कर लिया गया है। घटना में प्रयुक्त ट्रेक्टर का मालिक आरोपी सुरेन्द्र सिंह फरार है जिसकी तलाश लगातार जारी है। आरोपी की शीघ्र गिरफ्तारी के लिये एडीजीपी शहडोल द्वारा 30,000 रूपये के ईनाम की उद्घोषणा की गई है। सहायक उप निरीक्षक महेन्द्र बागरी के मृत शरीर का पोस्टमार्टम सीएचसी ब्यौहारी से कराया गया एवं उनके परिजनों को शव ससम्मान सुपुर्द किया गया। जिनके अंतिम संस्कार में एसडीओपी ब्यौहारी रविप्रकाश कोल उनके निज निवास ग्राम मसनहा जिला सतना में सम्मिलित हुए। मुख्य आरोपी विजय रावत, आशुतोष सिंह एवं सुरेन्द्र सिंह के द्वारा बनाये गए अवैध निर्माण को जिला प्रशासन द्वारा गिराया गया है, जिसमें सुरक्षार्थ भारी संख्या में पुलिस बल मौजूद रहा। आरोपियों के विरूद्ध धारा 302, 379, 414, 34 भादवि एवं धारा 4, 21 खनिज अधिनियम के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है।

जमीन पर रखकर किया पोस्टमॉर्टम

मामले में ब्यौहारी सिविल हॉस्पिटल स्टाफ की बड़ी लापरवाही सामने आई। अस्पताल के पोस्टमॉर्टम हाउस में एएसआई बागरी के शव का पोस्टमॉर्टम दीवार की ओट में जमीन पर रखकर किया गया। परिजन के साथ मौके पर मौजूद अन्य लोग भी इसके गवाह बने। इस मामले में जब अस्पताल में ही मौजूद ब्यौहारी एसडीएम नरेंद्र सिंह धुर्वे से बात की गई तो उन्होंने कहा, मुझे इस बात की जानकारी नहीं है। इस संबंध में बीएमओ से बात की जाएगी। जमीन पर पोस्टमॉर्टम नहीं करना चाहिए था। मैं इसकी जांच

ब्यौहारी समूह जल प्रदाय योजना के कार्यों का कमिश्नर ने लिया जायजा

वाटर ट्रीटमेंट प्लान का निर्माण उच्च गुणवत्ता के साथ करने के दिए निर्देश

शहडोल। कमिश्नर बी. एस. जामोद ने शनिवार को ग्राम पंचायत पपौंध में जल निगम द्वारा बनाए जा रहे ब्योहारी समूह जल प्रदाय योजनाए वाटर ट्रीटमेंट प्लान का अधिकारियों के दल के साथ निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कमिश्नर ने फिल्टरेशन यूनिट, क्लोरिनेशन यूनिट एवं फिल्टर मीडिया प्लांट का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान ब्यौहारी समूह जल प्रदाय योजना के इंजीनियरों ने कमिश्नर को वाटर ट्रीटमेंट प्लान के विभिन्न प्रक्रियाओं के संबध में विस्तृत जानकारी दी। इस दौरान कमिश्नर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वाटर ट्रीटमेंट प्लान का निर्माण उच्च गुणवत्ता के साथ समय-सीमा में पूर्ण किया जाए। गौरतलब है कि ब्यौहारी समूह जल प्रदाय योजना के अंतर्गत ब्यौहारी क्षेत्र के लगभग 49 गांव में ग्रामीणों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराया जाएगा। क्षेत्र के भ्रमण के दौरान कमिश्नर ने हिरवार सूक्ष्म जल प्रदाय परियोजना का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कार्यपालन यंत्री जल संसाधन ने कमिश्नर को हिरवार जल प्रदाय योजना के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। निरीक्षण के दौरान संयुक्त आयुक्त विकास श्री मगन सिंह कनेशए अधीक्षण यंत्री ग्रमीण यंत्रिकी सेवा सुनील परिमार, एसडीएम ब्यौहारी नरेन्द्र सिंह धुर्वे सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

परशुराम जयंती पर जयस्तंभ चौक से निकलेगी शोभायात्रा

शहडोल

प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी 10 मई को शायं 4:30 पर जयस्तंभ चौक से भगवान परशुराम जी स्वामी के जन्मोत्सव पर जिला ब्राह्मण समाज द्वारा भव्य शोभायात्रा निकाली जाएंगी। यात्रा शहर के प्रमुख मार्गों से होते हुए मोहनराम मंदिर में संपन्न होगी। जिला ब्राह्मण समाज के सक्रिय सदस्य अरुण मिश्रा ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से बताया कि विगत कई वर्षों से नगर के अंदर भगवान परशुराम की जयंती बड़े ही धूमधाम के साथ मनाई जाती है, इस वर्ष भी जयंती एवं शोभायात्रा को लेकर तैयारी जोर-शोर से की जा रही है और ब्राह्मण समाज के लोगों में कार्यक्रम को लेकर भारी उत्साह देखा जा रहा है। जिले के सभी गांवों में निवास रत समाज के भाई बंधुओं को शोभायात्रा के आमंत्रण पत्र भेजें जा रहे हैं, ताकि अधिक से अधिक संख्या में लोग कार्यक्रम में सम्मिलित हो सके। परशुराम जयंती के शुभ अवसर पर उसी दिन जयस्तंभ चौक पर दिन के 12 बजे से जिला ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष डॉ. बाल्मीकि गौतम एवं अन्य पदाधिकारियों की अगुवाई में विशाल भंडारे का आयोजन होगा, जिसमें शहर एवं गांव के सभी लोग पहुंचकर एक साथ भोजन प्रसाद ग्रहण करते हैं।

प्रवाचक तहसील जयसिंहनगर को कमिश्नर ने किया निलंबित

शहडोल। कमिश्नर बीएस जामोद ने म.प्र. सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियम 1966 के नियम 9(1) (क) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए खेमन सिंह, सहा. ग्रेड- 03, प्रवाचक, तहसील कार्यालय जयसिंहनगर को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया है। जारी आदेश में कहा गया है कि निलंबन अवधि में श्री सिंह का मुख्यालय कार्यालय तहसीलदार सोहागपुर, जिला शहडोल नियत किया जाता है। निलंबन अवधि में नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ते की पात्रता होगी। जारी आदेश में कहा गया है कि तहसील कार्यालय जयसिंहनगर के निरीक्षण के दौरान पाया गया कि न्यायालयीन नामांतरण/ बटवारा/ सीमांकन/बेदखली) इत्यादि से संबंधित प्रकरण दायरा पंजी में दर्ज नही थे। वक्त निरीक्षण तहसीलदार द्वारा लगभग 300 प्रकरण पंजी में दर्ज नही होना स्वीकार किया गया। प्रकरणों के अवलोकन में वर्ष 2021-23 तक के काफी प्रकरण प्रचलनशील होने के बावजूद एक वर्ष से अधिक का समय व्यतीत होने पर भी प्रकरणों में सुनवाई नहीं की गई है, साथ ही विभिन्न मदों के सैकडों राजस्व प्रकरणों को न तो दायरा पंजी में तथा न ही आरसीएमएस पोर्टल में दर्ज किया गया है। कार्यालय में महत्वपूर्ण अभिलेखों को खेमन सिंह, सहा. ग्रेड- 03, प्रवाचक, तहसील कार्यालय जयसिंहनगर, जिला शहडोल द्वारा सुव्यवस्थित न रखते हुए अस्त-व्यस्त रखा गया है।

कमिश्नर ने एसडीएम को जारी किया कारण बताओ नोटिस

शहडोल। कमिश्नर बी.एस. जामोद ने अनुविभागीय अधिकारी राजस्व जयसिंहनगर श्रीमती प्रगति वर्मा को कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया है। जारी कारण बताओ सूचना पत्र में कहा गया है कि आपके विरूद्ध म.प्र. सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियम-1966 के अधीन कार्यवाही प्रस्तावित है। कमिश्नर शहडोल संभाग द्वारा तहसील कार्यालय जयसिंहनगर के निरीक्षण में पाया गया कि न्यायालयीन (नामांतरण/बटवारा/सीमांकन/बेद खली) इत्यादि संबंधित प्रकरण दायरा पंजी में दर्ज नहीं थे। वक्त निरीक्षण तहसीलदार द्वारा लगभग 300 प्रकरण पंजी में दर्ज नही होना स्वीकार किया गया। प्रकरणों के अवलोकन में वर्ष 2021-23 तक के काफी प्रकरण प्रचलनशील होने के बावजूद एक वर्ष से अधिक का समय व्यतीत होने पर भी प्रकरणों में सुनवाई नहीं की गई है, साथ ही विभिन्न मदों के सैकडों राजस्व प्रकरणों को न तो दायरा पंजी में तथा न ही आरसीएमएस पोर्टल में दर्ज किया गया है। कार्यालय में महत्वपूर्ण अभिलेखों को सुव्यवस्थित न रखते हुए अस्त-व्यस्त रखा गया है। जिससे स्पष्ट है कि आपके अधीनस्थ तहसील कार्यालय जयसिंहनगर का समय-समय पर आपके द्वारा न ही मांनीटरिंग की जाती है और न ही समीक्षा की जाती है, आपका यह कृत्य पदीय दायित्वों के प्रति गंभीर लापरवाही एवं कदाचरण की श्रेणी में आता है। जो म.प्र. सिविल सेवा आचरण नियम 1965 के नियम-3 के विपरीत एवं दण्डनीय है। जारी आदेश में कहा गया है कि स्पष्ट करें, कि क्यों न आपके विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई प्रारंभ करते हुये म.प्र. सिंविल सेवा आचरण नियम 1966 के अंतर्गत कार्रवाई की जावे? अनुविभागीय अधिकारी राजस्व अपना जवाब कारण बताओ सूचना प्राप्ति के 03 दिवस में प्रस्तुत करें। आपका जवाब समयावधि में प्राप्त न होने पर यह मानकर कि इस संबंध में आपको कुछ नही कहना है, एकपक्षीय कार्यवाही की जावेगी।

ब्यौहारी-कटनी मार्ग पर निर्माणाधीन पुलिया निर्माण कार्य का कमिश्नर ने किया

शहडोल। कमिश्नर बी.एस. जामोद ने शनिवार को ब्यौहारी विकासखंड में ब्यौहारी कटनी मार्ग में स्थित सोन नदी पर बन रहे पुलिया निर्माण के कार्यों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान निर्धारित समय में पुलिया निर्माण का कार्य पूर्ण नहीं होने पर कमिश्नर ने कड़ी नाराजगी व्यक्त की तथा निर्देश दिए कि पुलिया निर्माण का कार्य तेजी से पूर्ण कराएं। कमिश्नर ने कहा कि पुलिया निर्माण के कार्य में पहले से ही काफी विलंब हो चुका है, निर्माण कार्यों को तेजी से पूर्ण कराने के लिए मजदूरों की संख्या बढ़ाएं तथा पुलिया निर्माण में किसी प्रकार का गतिरोध उत्पन्न होने पर किन कारणों से गतिरोध उत्पन्न हो रहा है इसकी जानकारी अनुविभागीय अधिकारी राजस्व ब्यौहारी एवं उच्च अधिकारियों को देना सुनिश्चित करें। उन्होंने निर्देश दिए कि पुलिया निर्माण का कार्य तेजी से पूर्ण हो इसके लिए अधिकारियों की नियुक्ति की जाएगी, जो हर सप्ताह पुलिया निर्माण की प्रगति का अवलोकन कर मुझे सूचित करेंगे। निरीक्षण के दौरान संयुक्त आयुक्त विकास मगन सिंह कनेश, अधीक्षण यंत्री ग्रमीण यंत्रिकी सेवा सुनील परिमार, एसडीएम ब्यौहारी नरेन्द्र सिंह धुव्रे सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

सट्टा एक्ट के तहत हुई 4 कार्यवाही

शहडोल।

थाना कोतवाली क्षेत्रांतर्गत 04 मई को मुखबिर द्वारा सूचना प्राप्त हुई कि कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत देवांता हॉस्पिटल के पीछे नटराज कॉलोनी के पास, पुरानी बस्ती में कुछ व्यक्ति हारजीत का दाव लगाकर सट्टा खिलवा रहा है। सूचना पर कोतवाली पुलिस द्वारा उक्त स्थानों पर दबिश देकर आरोपी प्रभात वर्मन पिता लक्ष्मण प्रसाद वर्मन उम्र 22 वर्ष निवासी वार्ड नं. 35 सिंधी बाजार के पास, आरोपी प्रेमलाल बैगा पिता भगोले बैगा उम्र 40 वर्ष निवासी ग्राम भर्री, सिंदुरी, रवि कुमार द्विवेदी पिता रामचन्द्र द्विवेदी उम्र 45 वर्ष निवासी बुढ़ार रोड सभी निवासी जिला शहडोल के कब्जे से सट्टा पर्ची, पेन एवं कुल 750 रूपये नगदी जब्त किया गया। पुलिस द्वारा सभी आरोपियों के विरूद्ध सट्टा एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया। उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी के नेतृत्व में सहायक उप निरीक्षक राकेश सिंह बागरी द्वारा की गईइसी क्रम में थाना बुढ़ार क्षेत्रांतर्गत मुखबिर द्वारा सूचना प्राप्त हुई कि केशवाही क्षेत्र के अंतर्गत एक व्यक्ति हारजीत का दाव लगाकर सट्टा खिलवा रहा है। सूचना पर बुढ़ार पुलिस द्वारा उक्त स्थान पर दबिश देकर आरोपी इब्राहिम पिता मो. खलिल उम्र 29 वर्ष निवासी केशवाही के कब्जे से सट्टा पर्ची, पेन एवं कुल 240 रूपये नगदी जब्त किया गया।

9 स्थानों से 67 लीटर अवैध शराब जप्त

शहडोल। पुलिस अधीक्षक कुमार प्रतीक द्वारा जिले में शराब की अवैध बिक्री की रोकथाम हेतु विशेष अभियान चलाया जाकर सभी थाना प्रभारियों को अधिक से अधिक अवैध रूप से शराब की बिक्री करने वालो के विरूद्ध कार्यवाही करने हेतु दिशा निर्देश दिये गए थे। जिसके पालन में 04 मई को अवैध शराब बिक्री करने वालो के विरुद्ध थाना प्रभारियों द्वारा कार्यवाही कर 09 स्थानों पर दबिश देकर कुल 67 लीटर कच्ची महुआ जप्त की गई।

चोरी के मटेरियल से बन रही नगर परिषद की सड़कें

अफसर चुप्पी साधे बैठे, करोड़ों के कार्य में ठेकेदार की मनमानी

निर्माण कार्यों में चोरी का मटेरियल खपाए जाने से जहां माफिया ताबड़तोड़ चोरियां कर रहा है वहीं हत्या जैसा अपराध भी पनप रहा है। रेत उत्खनन के मामले में ब्यौहारी क्षेत्र में पहले पटवारी की हत्या हुई और अब एएसआई महेन्द्र सिंह वागरी की हत्या कर दी गई।

उमरिया।

दोनो हत्याएं ट्रैक्टर चढ़ाकर की गईं। खनिज, राजस्व, पुलिस और नगरीय निकायों के अफसरों की साठगांठ से पनपने वाली तस्करी अब जानलेवा साबित हो रही है।

सराकारी विभागों के निर्माण कार्यों में भी अब चोरी के मटेरियल की खरीद फरोख्त को प्रश्रय दिया जाने लगा है। जबकि यह अपराध की श्रेणी में आता है। हैरानी की बात यह है कि करोड़ों रुपए का काम होता है लेकिन संबंधित अधिकारी या जिम्मेदार अमला यह देखने की जरूरत नहीं समझता कि निर्माण में काम आने वाला मटेरियल कहां से आ रहा है। मुरुम व रेता जैसे मटेरियलों का उपयोग तो होता है लेकिन यह जांचने की जरूरत नहीं समझी जाती है कि उस मटेरियल के लिए शासन को रायल्टी दी गई अथवा नहीं। अधिकारियों की रुचि केवल अपने कमीशन पर रहती है। यही स्थिति बिरसिंहपुर पाली नगर पालिका परिषद में मुख्यमंत्री अधोसंरचना मद के कार्यों पर हो रही है। यहां 3 करोड़ 84 लाख रूपये की लागत से कार्य स्वीकृत हुए हैं। यहां भी चोरी के ही मटेरियल खपाए जा रहे हैं। अधिकारी तस्करी को बढ़ावा दे रहे हैं।

सडक़ बन रही

बिरसिंहपुर पाली नगर पालिका परिषद में मुख्यमंत्री अधोसंरचना मद से 3 करोड़ 84 लाख रूपये की लागत से बजट स्वीकृत हुआ है। जिसके अंतर्गत 2 सडक़, 1 कार्यालय, 1 ऑडिटोरियम का निर्माण कराया जाना है। इन कार्यों की एक अर्से से मांग की जा रही थी और जनहित में इनका निर्माण कराया जाना अनिवार्य सा हो गया था। वर्तमान में वार्ड नंबर 15 दफाई कालोनी में 92 लाख की लागत से सीसी सडक़ का निर्माण शुरू हो चुका है। वार्डवासियों की मांग पर सडक़ निर्माण कार्य शुरू कराया गया, लेकिन इसकी गुणवत्ता की जांच पड़ताल नही की जा रही है। स्थल पर इस व्यय को दर्शाने वाला बोर्ड कहीं दिखाई नहीं पड़ता। ठेकेदार को भय है कि कहीं उसकी चोरी न पकड़ ली जाए।

कहां से आ रही मुरुम ?

सडक़ निर्माण कार्य में निरंतर चोरी की मुरूम का उपयोग हो रहा है। ठेकेदार स्वयं इस कार्य में लिप्त बताया जा रहा है। झुडक्री जंगल के भू-खण्ड से कथित ठेकेदार बगैर अनुमति के मुरूम की खुदाई कर रहा है। खबर है कि ठेकेदार द्वारा बीते दिनों सैकड़ों ट्राली मुरूम बगैर खनिज, राजस्व व वन विभाग से बिना अनुमति लिए खुदवा कर उपयोग की गई है। सडक़ निर्माण के नाम पर सैकड़ों ट्राली मुरुम निकाली गई। लेकिन यह जांचने परखने की जरूरत किसी ने महसूस नहीं की कि जब जिले भर में कही मुरुम की खदान नहीं चल रही है तो फिर इतनी बड़ी तादात में मुरुम कहां से लाई जा रही है? क्या इसकी रायल्टी दी जा रही है? चोरी की मुरुम खरीदना एक आपत्तिजनक कार्य है जिसे नगरीय निकाय द्वारा बेखौफ किया जा रहा है।

मौका मुआयना नहीं किया जाता है

करोड़ों के लागत के निर्माण कार्य फील्ड पर चलते हैं लेकिन संबंधित विभागों के अफसर कभी मौका मुआयना नहीं करते और न निर्माण के गुणवत्ता की मॉनीटरिंग की जाती है। पाली नगरपरिषद का हाल भी इससे अछूता नहीं है। ठेकेदार निर्माण के लिए सर्वेसर्वा बना हुआ है वह जैसा अफसर को समझा देता है अफसर भी वैसा ही मान लेता है। मजे की बात यह है कि ठेकेदार के कर्मचारी भी मौके पर कम ही नजर आते हैं। सारा काम लेबरों के भरोसे छोड़ दिया जाता है। लेबर अपने मन की करते हुए जैसे तैसे काम पूरा कर देते हैं। एक तो मटेरियल घटिया और कम लगवाया जाता है और फिर उसे भी देखने वाला कोई नहीं रहता है।

मूल्यांकन, सत्यापन करने की फुर्सत नहीं

नगरपरिषद पाली में पदस्थ तकनीकी अमले का हाल यह है कि वह भी न तो कभी फील्ड पर जाता है और न काम की क्वालिटी देखने की जरूरत समझता है। उसे भी मूल्यांकन व सत्यापन करने जैसी ड्यूटी भारी बोझ लगने लगी है। वातानुकूलित कमरों में बैठकर सारे कोरम पूरे कर लिए जाते हैं और रिपोर्ट दे दी जाती है। इन स्थितियों में निर्माण कार्य कितना गुणवत्तापूर्ण होगा यह सहज ही अनुमानित है। हैरानी की बात यह है कि तकनीकी स्टाफ पर सीएमओ नगरपरिषद का कोई नियंत्रण नहीं रह गया है।

खबर संक्षेप

सांस्कृतिक प्रशिक्षण में बढ़ रहा युवाओं और बच्चों का उत्साह

शहडोल। ग्रीष्मकालीन सांस्कृतिक प्रशिक्षण शिविर कमिश्नर के आदेशानुसार, तीनों जिलों में यह कार्यक्रम, खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा आयोजित किया जा रहा, जिसमें जिला शिक्षा एवं जनजातीय विभाग का भी सहयोग लिया जा रहा है, नगर में भी खेलकूद, योग, कराते के साथ सांस्कृतिक विधा के प्रशिक्षण में गांधी स्टेडियम के हाल में सुबह-शाम, प्रशिक्षक कलाकार लकी चतुर्वेदी एवं उनकी संस्था सम्पूर्ण नाट्य एवं लोक कला समिति व अभिव्यक्ति डांस, ड्रामा एवं पर्सनालिटी डेवलपमेंट क्लासेस के सहयोग से, डांस, नाटक, गीत, लोक नृत्य, लोक गीत, नृत्य आदि सांस्कृतिक गतिविधियों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है, यह प्रशिक्षण पूर्णतः निःशुल्क है, जो 1 मई से 31 मई तक आयोजित की जा रही अलग-अलग विधा के प्रशिक्षक अलग-अलग सुनिश्चित स्थानों पर प्रशिक्षण दे रहे हैं, जिसमें बच्चों एवं युवाओं का उत्साह बढ़ रहा है और वो बढ़-चढ़ कर हिस्सा ले रहे हैं, जिसमें तीनों जिले अनुपपुर, उमरिया एवं शहडोल के कलेक्टरों का भी बराबर सहयोग मिल रहा है।

पुलिस द्वारा किया गया अंधी हत्या का खुलासा

शहडोल। थाना ब्यौहारी अंतर्गत 02 मई को मर्ग जांच पर से ज्ञात हुआ कि कुछ व्यक्तियों के द्वारा मृतक ओमप्रकाश पाल पिता देवीदीन पाल उम्र 25 वर्ष निवासी रेउसा की हत्या कर दी गई है। आरोपियों के विरूद्ध तत्काल धारा 302 का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। हत्या में शामिल मृतक की पत्नी को पुलिस ने गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय पेश किया गया एवं मृतक की पत्नी का प्रेमी जो हत्या में शामिल था फरार है। जिसके लिए अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक शहडोल जोन डी.सी. सागर ने स्वयं घटना स्थल का निरीक्षण किया एवं उपस्थित अधिकारियों को निर्देश दिये। साथ ही प्रकरण की गंभीरता को दृष्टिगत रखते हुए फरार आरोपी की गिरफ्तारी हेतु 30,000 रू. के ईनाम की उद्घोषणा की गई।

पाइप लाइन यार्ड का कमिश्नर ने लिया जायजा

शहडोल। कमिश्नर बी.एस. जामोद ने ब्यौहारी तहसील में भन्नी माइक्रो सिंचाई परियोजना के लिए ग्राम पंचायत शहरगढ़ में पाइपलाइन यार्ड का निरीक्षण किया तथा पाइपों की गुणवत्ता देखी। इस दौरान अधिकारियों ने कमिश्नर को बताया कि भन्नी माइक्रो सिंचाई परियोजना में 44 गांव के किसानों को पानी पहुंचाया जाएगा। इस दौरान कमिश्नर ने पाइपों का निरीक्षण किया तथा उनकी गुणवत्ता का अवलोकन इंजीनियरों की उपस्थिति में किया।

हत्या के आरोपियों को आजीवन कारावास की सजा

शहडोल। थाना बुढ़ार में 12 जनवरी 2021 की रात्रि को सूचना प्राप्त हुई कि एन.एच. 43 मारूति नंदन पेट्रोल पंप के पास कोतमा रोड में एक व्यक्ति मृत अवस्था में पड़ा है। सूचना पर बुढ़ार पुलिस द्वारा तत्काल कार्यवाही करते हुए अज्ञात आरोपियों के विरूद्ध प्रथम दृष्टता हत्या का अपराध पंजीबद्ध किया गया। प्रकरण की गंभीरता को दृष्टिगत रखते हुए इसे जघन्य सनसनीखेज श्रेणी में चिन्हित किया गया था। पुलिस द्वारा विधिवत विवेचना पूर्ण की जाकर आरोपी भोलू केवट पिता लाला केवट उम्र 31 वर्ष निवासी इमलीटोला थाना बुढार, अमित सिंह पिता पंचदेव सिंह उम्र 32 वर्ष निवासी अम्बेडकर नगर बुढ़ार एवं प्रियंका सिंह पति स्व. मुकेश सिंह उम्र 33 वर्ष निवासी ओ.पी.एम. कॉलोनी थाना अमलाई के विरूद्ध अभियोग पत्र न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पाली-मानपुर एनबीएसयू का किया गया निरीक्षण

उमरिया।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पाली एवं मानपुर एनबीएसयू का डॉ. रितेश तंवर इंटरनल एसेसमेंट द्वारा लक्ष्य कार्यक्रम के तहत निरीक्षण किया गया। जिसमें नूरा हेल्थ संस्था के दीपक अधिकारी एवं अनंत कुमार रीजनल कोऑर्डिनेटर सहयोग प्रदान कर रहे हैं। असेसमेंट के तहत मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आर.के. मेहरा डीएचओ, डॉ. एस. बी. चौधरी, जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. रिचा गुप्ता, मुख्य खंड चिकित्सा अधिकारी मानपुर डॉ. निशांत सिंह परिहार नोडल अधिकारी डॉ. संदीप सिंह, रेखा वाधवानी ब्लाक कार्यक्रम प्रबंधक, जिला कार्यक्रम समन्वयक एस.पी. गुप्ता, जिला एपिडेमियोलॉजी अनिल सिंह एवं अन्य नर्सिंग स्टाफ उपस्थित रहा। साथ ही डॉ. हिमानी यादव डिप्टी डायरेक्टर चाइल्ड हेल्थ एंड न्यूट्रिशन भोपाल के द्वारा औचक निरीक्षण कर एनआरसी का भ्रमण किया गया, जिसमें उपस्थित स्टाफ को प्रोटोकॉल के आधार पर कार्य करने हेतु निर्देश दिए गए।

hडॉ. हिमानी यादव के द्वारा औचक निरीक्षण प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ताला ग्राम रांच के आंगनबाड़ी केंद्र में वीएचएनडी का जायजा लिया गया, जिसमें गर्भवती माता का टीकाकरण एवं ड्यू लिस्ट के बच्चों की जानकारी से अवलोकन किया गया, सम एवं माइल्ड बच्चों की जानकारी गर्भवती माता को पूरक पोषण आहार एनीमिया की जांच एवं दस्तावेजों की जांच की गई। एएनएम आशा एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ता को आपसी समन्वय करते हुए कार्य करने के निर्देश दिए गए। तत्पश्चात डॉ. हिमानी यादव द्वारा होम विजिट के तहत एचबीएससी विजिट को वेरीफाई करने हेतु शिशु शिवा कुशवाहा पिता अर्जुन कुशवाहा के घर जाकर विजिट किया गया एवं एमसीपी कार्ड का अवलोकन कर गर्भवती माता एवं शिशु के टीकाकरण से संबंधित जानकारी लिया गया, जिसमें शिशु की माता पूजा कुशवाहा को समय-समय पर पोषण आहार एवं आयरन एवं कैलशियम की टेबलेट के सेवन करने हेतु समझाइए दी गई। भ्रमण में जिला किशोर स्वास्थ्य समन्वयक ब्लॉक कंप्यूटर मोबिलाइज राजेंद्र वर्मा, हेल्थ सुपरवाइजर सुधाकर सिंह, एएनएम महादेवी सिंह, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता यशोदा चौधरी, आशा कार्यकर्ता सुलोचना यादव, सपोर्ट एजेंसी एविडेंस एक्शन रीजनल कोऑर्डिनेटर समीर सिंह परिहार उपस्थित रहे।

कमिश्नर ने किया आंगनबाड़ी केंद्र का निरीक्षण

नहीं मिले कोई बच्चे, व्यक्त की कड़ी नाराजगी

शहडोल।

कमिश्नर बी. एस. जामोद में शनिवार को नगर पंचायत देवलोंद के वार्ड क्रमांक 9 में संचालित आंगनबाड़ी केंद्र का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान आंगनबाड़ी केंद्र में 10:30 बजे तक एक भी बच्चा आंगनबाड़ी केंद्र में नहीं पाए जाने पर कमिश्नर ने कड़ी नाराजगी व्यक्त की। कमिश्नर ने आंगनबाड़ी कार्यकर्ता से यह जानकारी ली की आज आंगनबाड़ी केंद्र में कोई बच्चे क्यों नहीं आए। इस पर आंगनबाड़ी कार्यकर्ता ने कमिश्नर को बताया कि बच्चों को लाने के लिए बच्चों के घरों में जाना पड़ता है। इस दौरान कमिश्नर ने आंगनबाड़ी केंद्र की विभिन्न पंजियों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान आंगनबाड़ी केंद्र की कार्यकर्ता ने बताया कि आंगनबाड़ी केंद्र में छः गर्भवती महिलाएं दर्ज हैं जिन्हें टीएचआर विपरीत किया जा रहा है। कमिश्नर ने आंगनबाड़ी केंद्र में गंदगी पाई जाने पर भी कड़ी नाराजगी व्यक्त की। निरीक्षण के दौरान आंगनबाड़ी केंद्र में अवस्थाएं पाए जाने पर कमिश्नर ने कड़ी नाराजगी व्यक्त की तथा निर्देश दिए कि आंगनबाड़ी केंद्र में सभी बच्चों की उपस्थिति सुनिश्चित कराएं और आंगनबाड़ी केंद्र की व्यवस्थाओं में तत्काल सुधार कराए अन्यथा सख्त कार्रवाई की जाएगी। निरीक्षण के दौरान संयुक्त आयुक्त विकास मगन सिंह कनेश, एसडीएम ब्योहरी, नरेंद्र सिंह धुर्वे एवं अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

चोरी के कोयले से बेखौफ धधक रहे ईंट भट्ठे, प्रशासन मौन

नगर में फूल फल रहा अवैध ईट भट्टों का कारोबार

भालूमाड़ा।

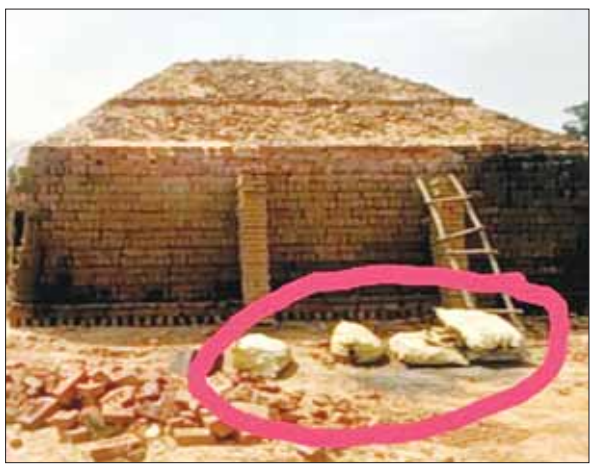

जिले भर में सैकड़ों अवैध ईट भट्टे जगह जगह पर ईंट बनाकर अवैध रूप से इसका कारोबार जारी है। निर्माता खनिज विभाग के बिना अनुमति के अवैध रूप से ईटों का निर्माण कर रहे हैं बल्कि इन ईंट भट्टों में सैकड़ों टन चोरी का कोयला भी खपाया रहा है बीते कई महीनों से लग रहे ईट भट्टों में ना जाने कितने टन चोरी का कोयला बड़ी आसानी से पहुँचाया जा रहा है और लगातार ईट भट्टों का लगना जारी भी है कोयला कहां से खरीदा जा रहा है व कहाँ से चोरी हो कर आता है इसकी जानकारी बखूबी स्थानीय पुलिस प्रशासन को है इसके बावजूद भी अवैध कोयले के ईंट भट्ठे आसानी से भालूमाड़ा नगर में संचालित है। ऐसा नहीं है कि पुलिस प्रशासन को इसकी जानकारी नहीं है समय समय पर समाचार पत्रों द्वारा हो रही कोयले की चोरी व ईंट भट्ठों की खबरे समाचार पत्रों में प्रकाशित होती रहती है और शायद ही कोई विभाग होगा जिसको इसकी जानकारी नहीं होगी।परंतु कभी भी पुलिस प्रशासन व खनिज विभाग ने ना तो अवैध ईंट भट्टों पर दबिश दी और ना ही कोयले की आपूर्ति के संदर्भ में उनसे कोई सवाल ही पूछे गए। अगर आज भी भालूमाड़ा नगर में संचालित अवैध ईंट भट्ठों पर दबिश देकर कार्यवाही की जाए तो भारी मात्रा में चोरी का कोयला भी बरामद होगा। इसका पता लगा पाना पुलिस के लिए कठिन नहीं है परंतु पुलिस प्रशासन इस ओर ध्यान नहीं दे रहा है जिसकी वजह से अवैध ईट भट्टों का कारोबार नगर में फूल फल रहा है।

मामूली विवाद पर फूंक दी खलिहान में रखी फसल

उमरिया। गहाई बंद करने का एक मामूली विवाद इतना तूल पकड़ गया कि इसमें न केवल किसानों से मारपीट की गई बल्कि खलिहान में रखी उनकी गेहूं, चना आदि की फसल को भस्म करने का प्रयास किया गया। पाली थाना क्षेत्र अंतर्गत स्थित ग्राम बड़वाही निवासी शैलेन्द्र जयसवाल उम्र 37 वर्ष व उसके चाचा रोहणी प्रसाद के साथ पड़ोसी डेमन जायसवाल एवं उसकी पत्नी अनीता जायसवाल, अमन जायसवाल ने मारपीट की और खलिहान में रखी उनकी फसल जला दी। किसान का लगभग 12 लाख रुपए से अधिक का नुकसान हुआ। घटना की रिपोर्ट पाली थाने में दर्ज करा दी गई है।

गहाई को लेकर उठा विवाद- विवाद थ्रेसर से गहाई नहीं करने पर उठा। डेमन जयसवाल को इस बात पर आपत्ति थी कि शैलेन्द्र थ्रेसर से गहाई न करे क्योंकि भूसा उसके घर की ओर उड़ता है। वह एक बार मना कर गया। लेकिन शैलेन्द्र ने गहाई रोक कर वहां तिरपाल आदि लगाकर पुनः गहाई चालू कर दी। इस पर पुनः डेमन व उसका परिवार वहां आ गया और बोले कि हमने गहाई करने से मना किया था तो तुम क्यों फिर से गहाई कराने लगे तब शैलेन्द्र बोला कि तिरपाल लगा दिया हूं, तब इसी बात पर तीनों लोग गाली-गलौज करने लगे। तभी डेमन का भाई महेश, रमेश जायसवाल आये वो लोग भी गाली-गलौज करने और मेरे चाचा रोहणी प्रसाद जायसवाल को महेश ने धक्का मारा तो वही गिर गये, जिससे उनके बाये पसली में दर्द है।

सड़कों पर बेखौफ दौड़ रहे कंडम वाहन

ड्रेस कोड की अनदेखी, यात्रियों की जान डाल रहे सांसत में

कोतमा।

जिले की सड़कों पर कंडम वाहन बेखौफ दौड़ रहे हैं। वहां वाहन जहरीला धुआं फेंक रहे हैं। बसों से इमरजेंसी दरवाजा स्पीड गवर्नर जैसे सुरक्षात्मक उपकरण नदारत हैं। क्योंकि जिले की अधिकतर आबादी सड़क मार्ग से ही एक दूसरे से जुड़ती है। कांच का ग्रामीण क्षेत्रों में बस व टैक्सी ही सबसे बड़ा सहारा है। प्रशासन द्वारा नियमित जांच न होने से ये ऑपरेटर जमकर नियमों को धता बताकर वाहन दौड़ा रहे हैं। जिले में करीब एक सैकड़ा से अधिक बस ऑटो 407 पिकअप यात्रियों को लेकर सड़कों पर चल रहे हैं। जिला मुख्यालय एवं कोतमा सहित कोयलांचल एवं ग्रामीण क्षेत्र से अधिकांश बसें आसपास के जिलों और गांव के लिए निकलती हैं। अधिकतर ग्रामीण क्षेत्र की ओर जाने वाली बसों की हालत देखकर लोगों को बैठने का मन नहीं करता। पर मजबूरी बस कोई अन्य संसाधन नहीं होने के कारण यात्रियों को सफर करना पड़ता है। ऐसे बस के संचालक पैसों के बलबूते पर फिटनेस प्रमाण पत्र लेते हैं और यात्रियों की जान सांसत में डाल देते हैं। आए दिन ऐसी कटरा बसो से यात्रा करने वाले यात्री बताते हैं कि ऐसी गाड़ी कभी भी कहीं भी खड़ी हो जाती है जिसका खामियाजा यात्रा कर रहे यात्रियों को भुगतना पड़ता है। आए दिन हो रही बस दुर्घटनाओं को देखते हुए यह साफ हो जाता है कि कंडम बसें यात्रियों की जान मुसीबत में डाल रही हैं।

दौड़ रहे खटारा वाहन

राष्ट्रीय राजमार्ग में परिवहन विभाग का उड़न दस्ता आए दिन डेरा डाला रहता है पर उन्हें फिटनेस क्षमता से अधिक यात्रियों से कोई लेना-देना नहीं होता है। इस कारण से बेखौफ होकर भी इस आदिवासी अंचल में बस संचालकों की मनमानी चल रही है। खटारा बसों पर कोई नियंत्रण नहीं हो पा रहा है।

कई बार कार्रवाई भी हुई

जानकारी की माने तो बगैर परमिट व फिटनेस के अधिकतर बसें आसपास जिलों की है पूर्व में छत्तीसगढ़ यूपी समेत अन्य बड़े महानगरों से चलने वाली बसों पर रात्रि में आकस्मिक जांच पड़ताल की गई थी तब बगैर परमिट अंतर जिला बसे पकड़ी गई थी। पूर्व में कई हादसे हो चुके हैं उसके बाद भी परिवहन विभाग इस ओर ध्यान नहीं दे रहा है। जिला सहित कोयलांचल क्षेत्र से अंतरराज्यीय बसें उत्तर प्रदेश महाराष्ट्र के लिए चलाई जा रही है क्या उन गाड़ियों में फिटनेस परमिट है भी या नहीं इसकी जांच करने वाला कोई नहीं है। जब कोई बड़ी दुर्घटना घटित हो जाती है तब प्रशासन के कान खड़े होते हैं और प्रशासन आनन फानन में कार्यवाही करने की बात करता है। और दिखावे के लिए छोटी-मोटी कार्यवाही करके अपने कर्तव्यों से इतिश्री कर लेता है। जिला परिवहन एवं यातायात विभाग को अभियान चलाकर ऐसे कंडम बसों की जांच करनी चाहिए जिससे कोई बड़ी दुर्घटना घटित होने की पुनरावृत्ति ना हो सके।

ड्रेस कोड की अनदेखी

बड़े वाहन चालक बिना ड्राइविंग लाइसेंस के बेखौफ होकर सड़कों पर वाहन दौड़ा रहे हैं। इतना ही नहीं फुटपाथ पर चलने वाले लोगों का जीना दुबर हो गया है। यह सवारी लेने के लिए वाहन कब कहां रोक दें यह किसी को पता नहीं होता। वर्दी ड्राइवर का बैच नंबर और ना ही वाहनों की मूल दस्तावेज होते हैं। जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा भी इस दिशा में कोई कार्यवाही नहीं की जा रही है।

खबर संक्षेप

आरआरआर गतिविधि के अन्तर्गत कैंप का आयोजन

रीवा। निगम आयुक्त संस्कृति जैन के निर्देशानुसार नगर निगम की आईईसी टीम द्वारा शहर के विभिन्न वार्डों में दिनांक 05/05/2024 को आरआरआर गतिविधि के अन्तर्गत कैंप का आयोजन किया गया। जिसमें नागरिको को 3आर के बारे में जानकारी दी गई। इसके साथ ही बताया गया कि जिन नागरिको के पास जरुरत से अधिक कपड़े, किताबे इत्यादि थे उन्होंने कैंप में लाकर जमा किया गया। आज देखा जा रहा है को नगर निगम की इस सरहनीय कदम में रीवा के सभी नागरिकों का भरपूर सहयोग मिल रहा है आरआरआर केन्द्र के जगह जगह कैम्प के माध्यम से शहर के ज्यादा से ज्यादा लोगो जागरूक करना है जिस कारण नगर निगम ऐसे लोगो तक मद्द पहुंचा सके जिनको इन सभी वस्तुओं की जरुरत है एवं इस सहयोग से किसी की जिंदगी में खुशी आ सकती है। रीवा के सभी नागरीको से अपील की गई है कि कैम्प में जाकर अपने घरों में जो भी जरूरत से अधिक कपड़े एवं किताबे इत्यादि है उनको दे जाए और जिनको इन वस्तुओं की आवश्यकता है वो ले जाए।

कलेक्टर कांफ्रेंस 8 मई को

रीवा। रीवा संभाग के कमिश्नर गोपालचन्द्र डाड की अध्यक्षता में 8 मई को प्रातः 11 बजे से कमिश्नर कार्यालय सभागार में कलेक्टर कांफ्रेंस आयोजित की जा रही है। इस बैठक में कमिश्नर राजस्व कार्यों तथा पेयजल व्यवस्था की जिलेवार समीक्षा करेंगे। बैठक में प्रातः 11 बजे से प्रातः 11.30 बजे तक अनुसूचित जाति जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम की संभागीय सलाहकार समिति की बैठक आयोजित की जाएगी। इसके बाद प्रातः 11.30 बजे से दोपहर 12.30 बजे तक संवेदनशील विषयों पर कार्यवाही की समीक्षा की जाएगी। कमिश्नर दोपहर 12.30 बजे से दोपहर 1.30 बजे तक राजस्व कार्यों की समीक्षा करेंगे। इसके बाद दोपहर 2.30 बजे से आयोजित विकास कार्यों की समीक्षा बैठक में पेयजल व्यवस्था, समर्थन मूल्य पर गेंहू उपार्जन, प्रधानमंत्री आवास योजना, स्वच्छ भारत मिशन, बिजली की आपूर्ति, मनरेगा योजना, गौशाला निर्माण, खनिज राजस्व वसूली तथा छात्रवृत्ति वितरण की समीक्षा की जाएगी। संभाग के सभी जिलों के कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी तथा संभागीय अधिकारी बैठक में उपस्थित रहेंगे।

नेशनल लोक अदालत 11 मई को

रीवा। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष एवं प्रधान न्यायाधीश श्री सुबोध कुमार जैन के मार्गदर्शन में एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण आशीर्वाद भिलाला के नेतृत्व में 11 मई को नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया गया है। लोक अदालत में राजीनामा योग्य आपराधिक, सिविल, क्लेम प्रकरण, विद्युत, चेक बाउंस, वैवाहिक प्रकरण इत्यादि आपसी समझौते से निराकृत किये जायेंगे। शिविर के लिये जिले में 53 खण्डपीठों का गठन किया गया है।

सेवा सहकारी समिति को दिया नोटिस

रीवा। सेवा सहकारी समिति हिनौती क्रमांक एक उपार्जन केन्द्र सीपी वेयरहाउस कांकर एवं सेवा सहकारी समिति हिनौती क्रमांक 2 उपार्जन केन्द्र मालती वेयरहाउस भठवा को कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल द्वारा नोटिस जारी किया गया है। सेवा सहकारी समिति हिनौती क्रमांक एक का गत दिनों तहसीलदार सिरमौर द्वारा निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान वेयरहाउस खुला नहीं पाया गया तथा उपार्जन केन्द्र में भौतिक एवं जनसुविधा के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं नहीं पायी गयी। केन्द्र में लेवर की उपलब्धता नहीं थी तथा गेंहू की खरीदी की मात्रा भी निरंक पायी गयी। इसी प्रकार सेवा सहकारी समिति हिनौती क्रमांक 2 में निरीक्षण के दौरान भौतिक सुविधाएं व जनसामान्य की सुविधा के लिए व्यवस्थाएं नहीं पायी गयी जांच के दौरान गेंहू खरीदी की मात्रा निरंक थी जबकि 19 अप्रैल को किसानों के स्लाट बुक होना पाया गया। ।परंतु किसानों से न तो संपर्क किया गया और न ही खरीदी का प्रचार-प्रसार किया गया।

प्राकृतिक चिकित्सा से होता है शरीर शुद्ध, मन तनाव रहित

सात दिवसीय योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा शिविर का समापन

अखिल विश्व गायत्री परिवार के द्वारा सिंधी धर्मशाला बुढार में 29 अप्रैल से 5 मई तक सात दिवस योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया।

धनपुरी।

चिकित्सा शिविर का संचालन जितेंद्र सिंह मंदसौर द्वारा किया गया शिविर में आधा सैकड़ा मरीजो अपना मर्ज बताया और चार दिनों में स्वयं बताया कि प्राकृतिक चिकित्सा शिविर से उन्हें पूर्ण स्वास्थ्य लाभ प्राप्त हुआ है। योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा शिविर में पहुंचे लोगों को बताया गया कि आप्रकृतिक आहार बिहार के कारण मरीजों में बिजाति पदार्थ जमा होते हैं रहने से मधुमेह उच्च रक्तचाप बीपी मोटापा कब्ज हृदय रोग जोड़ों का दर्द कमर दर्द त्वचा रोग आदि उत्पन्न होते होने लगते हैं सभी बीमारियों से बचने के लिए नियमित शरीर की शुद्धि आवश्यक है। प्राकृतिक चिकित्सा से शरीर शुद्ध मन तनाव रहित हो जाता है।विचार क्रांति अभियान अखिल विश्व गायत्री परिवार के द्वारा नगर शहर राज्य पहुंच कर शिविर का आयोजन किया जाता है अभी तक 100 से ज्यादा शिविरो का संचालन किया गया है जिसमें हजारों व्यक्तियों को स्थाई स्वास्थ्य लाभ प्राप्त हुआ है। विचार क्रांति अभियान के चलते बिलासपुर कटनी के बीच धनपुरी बुढार सिंधी धर्मशाला में शिविर का आयोजन 29 अप्रैल से 5 मई तक शिविर लगाया गया। शिविर में धनपुरी बुढार ओपीएम शहडोल व आसपास के लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिऐ वही सोहागपुर एरिया के राजेंद्रा भूमिगत माइंस के खान प्रबंधक राजेश खम्परिया व मिसेज खम्परिया ने भी स्वस्थ लाभ प्राप्त किया। पत्रकार राजू अग्रवाल लक्ष्मन सोनी व नगर गणमान्य नागरिक शिविर में पहुंचे। 50 मरीजों को शिविर में चार दिन में स्वस्थ लाभ मिला जो काफी दिनों से बीमारी के चलते परेशान हो गए थे पेट दर्द बीपी शुगर मुंह ना खुलना हाथ ना उठाना मोटापा यहां तक की कैंसर जैसे मरीज भी शिविर में पहुंचे और उन्हें भी चार दिनों में पहले से ज्यादा अच्छा महसूस किया और शरीर स्वस्थ हलका लगने लगा लोगों का बजन भी 2 किलो से अधिक घटा। पीके जैन के द्वारा पूछे जाने पर चार दिनों में अचूक परिवर्तन स्वस्थ लाभ अपने वाले मरीजों ने स्वयं कहा कि हमें पहले से अच्छा महसूस कर रहे हैं।चिकित्सा शिविर संचालक ने मरीजों से पूछा कि कल से आप घर जाकर क्या करेंगे मरीज ने बताया कि आपने शिविर में जानकारी खान-पान स्वस्थ योग रहने की जो टिप्स दी है उसे हम जीवन पर्यंत करेंगे और अपने परिवार व आसपास के लोगों को अधिक से अधिक जानकारी देकर प्राकृतिक चिकित्सा अपनाएं और निरोगी जीवन जीवन यापन करें।

शहर में एक बार फिर चली गोली एक्सरे टैकनीसियन हुआ घायल

रीवा। जिले के अमाहिया थाना क्षेत्र अंतर्गत अस्पताल चौराहे शनिवार की देर शाम गोली चलने का मामला सामने आया। मिली जानकारी के अनुसार संजय गांधी अस्पताल में पदस्थ एक्सरे टेक्नीशियन के ऊपर गोली चली है घटना मे जिस युवक को गोली लगी है उसका नाम विकास पाण्डेय है। विकास पाण्डेय संजय गांधी अस्पताल में आउटसोर्स एजेंसी रीवा हेल्थ डायग्नोस्टिक सेंटर में रेडियो टेक्नीशियन के पद पर काम करता है। जानकारी के बाद युवक को संजय गांधी अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां उसका उपचार जारी है घटना के बाद अमाहिया पुलिस मौके पर पहुंच कर घायल से वारदात के संबंध में पूछताछ की वहीं आरोपी की तलाश में जुट गई घटना के संबंध में पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक घायल युवक पहले कुछ नहीं बता रहा था लगातार पूछताछ करने के बाद घायल ने बताया उसके एक साथी सौरभ पाण्डेय से ही धोखे से गोली चल गई है गनीमत रही की गोली युवक के पैर के ऊपर जाग में लगी जिससे उसकी जान बच गई वही कहर युवक की हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है

लगातार हो रही है वारदात

रीवा में गोली चालन की घटनाओं पर रोक नहीं लग पा रही है। लगातार गोली चालक की वारदातें हो रही है। रीवा क्राइम के मामले में तेजी से आगे बढ़ र हा है। हर दिन कोई न कोई बड़ी वारदात हो रही है। पुलिस एक मामला सुलझा नहीं पाती और दूसरा मामला सामने आ जाता है।

इनका कहना है

घायल से लगातार पूछताछ करने के बाद आरोपी का नाम सामने आया जिसके बाद आरोपी के ठिकानों पर लगातार पुलिस दविस दे रही है साइबर सेल और अन्य माध्यमों से लगातार आरोपों की पता तलाशी की जा रही है जल्द आरोपी पुलिस के गिरफ्त में होगा।

विजय सिंह
अमाहिया थाना प्रभारी रीवा।

कलश यात्रा के साथ हनुमंतगाथा का हुआ शुभारंभ

पादुका पूजन व सांस्कृतिक महोत्सव का होगा आयोजन

10 मई को होगा समापन

रीवा।

प्राचीन सिद्धपीठ श्रीमानसपीठ खजुरीताल धाम में पाटोत्सव का आज से भव्य शुभारंभ हुआ। खजुरीताल धाम में आयोजित पाटोत्सव के दौरान शनिवार को विशाल कलश यात्रा के साथ हनुमतगाथा प्रारंभ हुई। सर्वप्रथम कुटमीधाम आश्रम रामगढ़ में कथाव्यास,श्रीमानस पीठाधीश्वर समेत साधू संतों ने प्रांगण में स्थापित मंदिर में प्रभु के दर्शन किए। इसके बाद कलश यात्रा शुरू हुई और गाजे बाजे के साथ 5 किलोमीटर की विशाल कलश यात्रा रामगढ़ बाजार होते हुए खजुरीताल धाम पहुंचकर संपन्न हुई। कलश यात्रा में बड़ी संख्या में महिलाएं,श्रद्धालु व भक्तगण भगवा वस्त्र पहनकर व सिर पर कलश धारण कर शामिल हुईं। यात्रा के दौरान ब्रह्मर्षि डॉ. श्री रामविलास दास बेदांती जी महराज,श्रीमानसपीठ खजुरीताल धाम के पीठाधीश्वर जगद्गुरू श्रीराममललाचार्य जी महराज,श्रीकृष्ण दास जी महराज,प्रमोद बिहारी जी महराज व महामण्डलेश्वर डॉ. राघवेश दास बेदांती जी महराज दिव्य रथ में

सवार होकर भक्तगणों को दर्शन व आशीष प्रदान किए। कलशयात्रा का जगह जगह भक्तजनों व ग्रामीणों द्वारा पुष्पवर्षा कर स्वागत किया गया। इससे पूर्व आयोजकों की उपस्थिति में कथाव्यास ब्रह्मर्षि डॉ. श्री रामविलास दास बेदांती जी महराज द्वारा कथास्थल का निरीक्षण किया गया। तदुपरांत कलशयात्रा संपन्न होने के बाद पाटोत्सव का शुभारंभ करते हुए कार्यक्रम के आयोजक श्रीमानसपीठ खजुरीताल धाम के पीठाधीश्वर जगद्गुरू श्रीराममललाचार्य जी महराज ने खजुरीनाथ की वंदना करते हुए कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इसके बाद कथाव्यास डॉ. बेदांती जी महराज का स्वागत वंदन करने के उपरांत कहा की यहाँ ना किसी जाति की ना पार्टी की न संप्रदाय की, हमें किसी से मतलब नहीं है बल्कि जो राम के हैं वो सब हमारे हैं और हम उनके हैं। आगे अपने वक्तव्य में उन्होंने कहा की प्रभु श्रीराम जी खजुरीताल में एक रात का विश्राम किए थे इसीलिए ये पुण्य धरती धन्य है। हनुमतगाथा का प्रारंभ करते हुए ब्रह्मर्षि डॉ. श्री रामविलास दास बेदांती जी महराज ने हनुमान जी महराज की वंदना करते हुए आवाह्न किया। इस दौरान डॉ. बेदांती जी महराज ने कहा की यहाँ अक्षय तृतीया को महोत्सव हुआ था, जो कि हमारे गुरु भाई राम प्रिय दास जी ने किया था। हमारे दादा पुरुषोत्तम दास जी को हनुमान जी ने स्वप्न दिया था की मैं इस खजुरीताल तालाब में हूँ मुझे निकालो, उसके बाद हनुमान जी खजुरीताल में स्थापित हुए। मैं 1966 में यहाँ दीक्षा लेने आया था, फिर मैं काशी चला गया। 22 जनवरी को

हमने संकल्प लिया था कि हर वर्ष पाटोत्सव उत्सव मनाएंगे। खजुरीताल धाम के प्राचीन तथ्यों का विस्तार से वर्णन किया। भगवान राम ने कहाँ था कि मैं सबको देख लिया परख लिया,मैंने बाली को मारा,रावण को मारा। लेकिन हनुमान क्या है मैं आज तक नहीं जान पाया। जो ज्ञान के प्रतिरूप हैं जिनके हृदय में भगवान घर बना के रहते हैं। इस अवसर पर मैहर भाजपा जिलाध्यक्ष कमलेश सुहाने,जिला मंत्री कुलदीप तिवारी,सतना जिला पंचायत उपाध्यक्ष डॉ. सुष्मिता पंकज सिंह परिहार,अमरपाटन जनपद अध्यक्ष प्रतिनिधि विनती पाण्डेय,डायरेक्टर यूके तिवारी,जिला पंचायत सदस्य हरीशकांत त्रिपाठी,रमाशंकर मिश्र,जेपी शर्मा,विजय द्विवेदी,ओपी द्विवेदी,युवा एकता परिषद परिवार के साथी सूर्यप्रकाश द्विवेदी,विनोद अवस्थी,शिवम समदरिया,मंगल सिंह,सतेन्द्र तिवारी,राहुल मिश्रा समेत विभिन्न गणमान्य जन उपस्थित रहे। श्रीमानसपीठ परिवार के शिष्य, कार्यक्रम के मीडिया प्रभारी पंडित सचिन शर्मा सूर्या ने जानकारी देते हुए बताया की पाटोत्सव के द्वितीय दिवस प्रभात बेला में श्रीरामार्चा महायज्ञढ, शायंकालीन बेला में हनुमंतगाथा एवं रात्रिकालीन बेला में डॉ. विनोद मिश्रा,प्रसिद्ध तबलावादक रिषभ त्रिपाठी एवं रमाकांत त्रिपाठी जी द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी जाएगी। साथ ही अनुग्रह करते हुए कहा की सभी सनातनी व भक्तगण खजुरीताल धाम पहुंचकर कार्यक्रम का रसपान करते हुए गुरूजनों का आशीर्वाद प्राप्त कर अपने जीवन को कृतार्थ करें।

आरा मशीन में खुलेआम चीरी जाती है प्रतिबंधित इमरती लकड़ियां

वन विभाग के संरक्षण से चल रही मशीनें नियम कायदों को ताक पर रखकर खुलेआम चल रही है आरा मशीनें

मऊगंज।

जिले के मऊगंज, हनुमना, नईगढ़ी, देवतालाब सहित क्षेत्र के कई स्थानों में लगी आरा मशीनें सारे नियम को ताक में रखकर चलाई जा रही है। आलम यह है कि जहां इन आरा मशीन संचालकों द्वारा विभाग द्वारा निर्धारित मापदंड का पालन नहीं किया जाता वहीं खुलेआम प्रतिबंधित लकड़ियों की चिराई की जाती है। इतना ही नहीं वन विभाग के संरक्षण में चल रही इन अवैध आरा मशीनों में नियम विरुद्ध इमारती लकड़ियों का थोक के भाव स्टॉक लगा होता है। इस तरह के रखे लकड़ी के स्टॉक का ना तो मशीन संचालकों द्वारा कोई रिकॉर्ड बनाया जाता और ना ही स्टॉक में रखी लकड़ियों की नंबरिंग आदि की जाती है। जिससे मन माफिक ढंग से इन मीलों में लकड़ियों की चिराई की खेप अंचल ही नहीं अपितु जिले के अन्य क्षेत्रों से भी लाई जाती है। क्योंकि नईगढ़ी भलुहा सहित देवतालाब में स्थापित आरा मशीन अवैध लकड़ियों के चिरई का अड्डा होने से जंगल सहित उन लकड़ियों की आवक यहां होती है जिनमें बेश कीमती लकड़ियों को आदेश के बिना चिरई करना पूर्ण रूपेण प्रतिबंधित है। लेकिन जिम्मेदार बीट प्रभारी स्तर के वन अमले की खुली छूट होने के कारण शासन के सारे नियम कायदों को तक में रखकर नईगढ़ी, हनुमना, मऊगंज के आस-पास स्थापित आरा मशीनों में नियम विरुद्ध लकड़ी की चिरई का गोरख धंधा अनवरत जारी है।*रात में चीरी जाती है लकड़ी*नईगढ़ी कस्बे में स्थापित आरा मशीन में जहां एक ओर प्रतिबंधित लकड़ियों की खुलेआम चिराई का काम चलता है। तो इसी तरह सारे नियम को तक में रखकर अनुबंध के मुताबिक कार्य करने के निश्चित समय को दरकिनार कर चोरी छुपे रात में विभाग के कुछ अधिकारियों की सह पर इमारती लकड़ियों की चिराई का कार्य चलता है। लेकिन इतना सब होने के बाद भी वन अमला अनजान बना हुआ है। जबकि शासन स्तर पर सीधे आदेश है। कि दिन डूबने के बाद सुबह दिन निकलने तक किसी भी सूरत में आरा मशीनों में लकड़ी की चिराई नहीं की जा सकती लेकिन यहां के हालात कुछ और हैं यहां सारे नियम कार्य को दरकिनार कर आरा मशीन है संचालित की जा रही है।*लकड़ी के स्टॉक में गोलमाल*संबंधित आरा मशीन संचालकों द्वारा नियम विरुद्ध क्षमता से अधिक इमारती लकड़ियों का स्टॉक रखा जाता है। एक तरफ जहां स्टाफ में लकड़ी की नंबरिंग आदि नहीं की जाती वही इन संचालकों के पास स्टॉक में रखी अकूत लकड़ी का कोई हिसाब तक नहीं होता साथ ही प्रशासनिक अमला के आंख में धूल झोंकर बीट प्रभारी के सहपर खुलेआम जंगल क्षेत्र में अवैध रूप से काटे गए हरे पौधों से प्राप्त इमारती लकड़ियों लकड़ी की चिराई का काम इन मीलों में खुलेआम होना आम बात हो गई है।

मऊगंज में धुत आधा दर्जन लोगों ने मचाया तांडव

कानून व्यवस्था पटरी में उतरी

मऊगंजे में कानून व्यवस्था नाकाफी

मऊगंज।

जिले में पुलिस करती रही हादसे का इंतजार सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार मऊगंज थाना से 500 मीटर ठीक पहले चाक मोड मे बोलेरो वाहन में सवार होकर आधा दर्जन नशेड़ियों ने चाक मोड़ स्थित शराब की दुकान के सामने घंटो तांडव मचाया। मौजूद लोग अफरा तफरी में इधर-उधर भागते दिखाई दिये।ऐसी घटनाएं मऊगंज जिले में कई बार हो चुकी है। लेकिन पुलिस प्रशासन कोई बड़ा हादसा के लिए इंतजार कर रहा था। नशेड़ियों के दहशत से सड़क से गुजर रही महिलाओं को इधर-उधर भागना पड़ा। जिससे मऊगंज की कानून व्यवस्था पटरी से उतरती नजर आ रही थी। मऊगंज जिला सिर्फ नाम मात्र का बन कर रह गया है। कलेक्टर,पुलिस अधीक्षक पदस्थ है फिर भी किसी प्रकार की प्रशासनिक कसावट नही दिखाई देती।जिले भर मे गांजा, शराब की अवैध कारोबार फल-फूल रहा है।चोरी, अपहरण, मोबाइल चोर, बाइक चोर, चैन स्कैनिंग आदि के

मामलो मे इजाफा हो रहा है।कानून व्यवस्था शून्य दिखती नजर आ रही है। जिले के शहर से लेकर गांव तक के चौराहो मे शॉम 6:00 बजे से नशेड़ियों का बोलबाला रहता है। नशा करने के बाद नशेड़ी कितनी बड़ी घटना को अंजाम दे सकते हैं यह सोचने वाली बात है। लेकिन पुलिस प्रशासन के द्वारा किसी तरह की रात मे पेट्रोलिंग नही की जाती। जिससे नशे के कारोबारियों और अपराधियों के हौसले बुलंद है।

खबर संक्षेप

अवैध रेत उत्खनन के खिलाफ कोतवाली पुलिस ने की कार्यवाही

अनूपपुर। पुलिस अधीक्षक अनूपपुर जितेन्द्र सिह पंवार के निर्देशन के मार्गदर्शन में थाना कोतवाली अनूपपुर द्वारा अवैध रेत उत्खनन एवं परिवहन के विरुद्ध कार्यवाही की गयी है। टीआई कोतवाली अरविन्द जैन के नेतृत्व में उपनिरीक्षक मंगला प्रसाद दुबे, चालक प्रधान आरक्षक दिनेश पाटिल आरक्षक मनोज गुर्जर के द्वारा ग्राम नगदहा में स्वराज कंपनी का बिना नम्बर का ट्रेक्टर चालक उमाकांत केवट पिता सुरेश प्रसाद केवट उम्र 22 वर्ष निवासी चोलना थाना जैतहरी के अवैध रूप से उत्खनन की हुई रेत का परिवहन करते हुए पाये जाने पर कार्यवाही की गई व छुलहा रेल्वे स्टेशन के पास न्यू हौलेण्ड कंपनी का बिना नम्बर का ट्रेक्टर से चालक वीरेन्द्र केवट पिता चूडामणी केवट उम्र 19 वर्ष निवासी चोलना के द्वारा अवैध रूप से उत्खनन की हुई रेत का परिवहन करते हुए पाये जाने पर कार्यवाही की गई। वापसी पर स्वराज कंपनी के ट्रेक्टर चालक उमाकांत केवट व वाहन स्वामी हरि सिह गोड़ निवासी बेलहा के विरुद्ध अपराध क्रमांक 260/24 धारा 379, 414 ताहि. 4/21 खनिज अधिनियम 66/192, 3/181, 146/196, 130 (3)/177 एम.वी. एक्ट तथा हौलेण्ड कंपनी के चालक वीरेन्द्र केवट व वाहन स्वामी डोंगर सिह गोड़ निवासी चोलना के विरुद्ध अपराध क्रमांक 261/24 धारा 379, 414 ताहि. 4/21 खनिज अधिनियम 66/192, 3/181, 146/196, 130 (3)/177 एमवी एक्ट का पंजीबद्ध किया जाकर वाहनो को मय रेत के जप्त कर कार्यवाही की जा रही है।

जनपद पंचायत स्तर पर 9 केंद्रों पर आयोजित हुआ रेवा स्वास्थ्य कैंप

डिंडौरी। कलेक्टर विकास मिश्रा के निर्देशन में स्वास्थ्य विभाग, महिला बाल विकास विभाग, आयुष विभाग,पशुपालन विभाग के आपसी सहयोग से स्वास्थ्य कैंप का आयोजन किया ऐसे दूरस्थ क्षेत्रों में किया जा रहा जहाँ स्वास्थ्य सेवाओं के अभाव के कारण कुपोषण के मामले अधिक है,स्वास्थ्य कैंप कुपोषण के प्रति एक जंग है,जिसका उद्देश्य एक स्वस्थ समाज का निर्माण करना है। स्वास्थ्य कैंप में गर्भवती महिला, कुपोषित बच्चे,स्तनपान कराने वाली माताएँ , किशोरियों के स्वास्थ्य स्तर में सुधार के लिए एक सामूहिक प्रयास किया जा रहा है। आयु के अनुसार बच्चों में शारीरिक और मानसिक स्तर का विकास ना होना ही कुपोषण है, कुपोषण का प्रमुख कारण स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता का ना होना है, वहीं कुपोषण से मुक्ति का उपाय सामूहिक प्रयासों से ही संभव है। कैंप के तहत कुपोषण से सुपोषण के लिए संयुक्त प्रयास किये जा रहे है, जिसके तहत सबसे पहले कुपोषण से प्रभावित लोगों को चिन्हित किया जाता है, जिसके लिए कुपोषण के विभिन्न स्तरों पर लोगों की पहचान की जाती है, गंभीर कुपोषित लोगों को आवश्यक उपचार उपलब्ध करवाया जाता है, और अवश्यकता अनुसार एनआरसी केंद्रों में भेजा जाता है। बच्चों में कुपोषण की जाँच उनके आदर्श वजन और ऊंचाई के मापन के आधार पर की जाती है, वहीं किशोरीयों, महिलाओं, धात्री माताओं की जाँच के लिए एनीमिया, रक्त, एवं अन्य जाँच की जाती है। जिसके आधार पर उचित उपचार दिया जाता है।

नगर में गुणवत्ताविहीन कुल्फियों की भरमार

प्रदूषित कुल्फी खाकर बच्चे हो रहे बीमार

संबंधित विभाग व प्रशासनिक अमला बना मूकदर्शक

गर्मी बढ़ने के साथ ही शहर मे आइसक्रीम की बिक्री भी जोरो से शुरू हो गई है। मुनाफे के फेर मे आइसक्रीम फैक्ट्री संचालको द्वारा इनके निर्माण मे गुणवत्ता का बिलकुल ध्यान नही रखा जा रहा है। शहर मे आइसक्री फैक्ट्रियो मे बनी कुलफियो को चूसने से छोटे-छोटे बच्चो मे जुकाम, खांसी जैसी बीमारियां फैलना शुरू हो गई है। अधिक मुनाफा होने की वजह से आइक्रीम एवं बर्फ बनाने वाली फैक्ट्रियों मे लापरवाही बदस्तूर जारी है।

अनूपपुर।

इन दिनो बर्फ से बनी आइसक्रीम के रूप मे बीमारी को बढ़ावा देने वाले लोग सक्रिय हो गये हैं। शहर मे आइसक्रीम फैक्ट्रियों मे बनी कुलफियां चूसने से छोटे छोटे बच्चे बीमारियों की चपेट मे आ रहे हैं वही प्रशासन एवं खाद्य महकमे द्वारा आइसक्रीम संचालको की फैक्ट्रियों की जांच करने की जहमत नही उठाई जा रही है।

आइसक्रीम फैक्ट्रियों की भरमार

इस धंधे मे अधिक लाभ होने के कारण शहर मे दर्जनो आइसक्रीम फैक्ट्रियां खुल गई हैं। जहां गुणवत्ता का किसी भी प्रकार से ख्याल नही रखा जाता है और न ही शहर के स्वास्थ्य महकमे से लेकर खाद्य विभाग के नुमाइंदे कोई कार्यवाही कर रहे हैं। बर्फ से निर्मित आइसक्रीम एक रूपये से लेकर दस रूपये तक मे उपलब्ध कराई जा रही है। इसमे फैक्ट्री संचालको को केवल अपने मुनाफे की चिंता रहती है, आइसक्रीम गुणवत्ता को ताक पर रखकर निर्माण किया जा रहा है। शहर के अलावा फैक्ट्रियां अपने माल को ग्रामीण अंचलो मे भी खपा रहे हैं।

खाने के बाद बच्चे हो रहे बीमार

जानकारी के मुताबिक आइसक्रीम के निर्माण मे विभिन्न तरह के रंगो एवं केमिकल का प्रयोग किया जा रहा है, जो स्वास्थ्य स्वास्थ्य की दृष्टि से हानिकारक है। बताया जाता है कि जो केमिकल रंग के लिए उपयोग किया जाता है वह भी गुणवत्ता का नही होने से छोटे छोटे बच्चों को खांसी, बुखार, हैजा, निमोनिया जैसी बीमारियों से ग्रसित होना पड़ रहा है। मिली जानकारी के अनुसार शहर मे आइसक्रीम बनाने के लोहे के खांचे भी इतने पुराने हो चुके हैं कि उनमे जंग लग चुकी है और जंग लगे इन प्रदूषित खांचो मे भरकर उनमे रंग एवं केमिकल डालकर आइसक्रीम तैयार कर बीमारियों को खुला आमंत्रण दिया जा रहा है। फैक्ट्रियों मे शुद्ध पानी एवं साफ सफाई की ओर ध्यान नही दिया जाता है।

सुरक्षा गार्ड की सतर्कता से स्वास्थ्य केंद्र पुष्पराजगढ़ में टली बड़ी दुर्घटना

अनूपपुर। पुष्पराजगढ़ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के बिल्डिंग में लगे बिजली के एमसीबी बोर्ड से धुआं निकलने लगा था जिसकी सूचना ड्यूटी में रहे सुरक्षा गार्ड रामचरण ने तुरंत बी एम ओ डॉ सुरेंद्र सिंह को दी वे तुरंत घटना स्थल पर पहुंचकर वही दीवाल पर लगे अग्नि शामक यंत्र को चालू कर धुआं निकल रहे जगह पर छिड़काव किया और आग पर तुरंत काबू पा लिया गया। घटना के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार 4 मई की संध्या लगभग 7.30 से 8 बजे के लगभग सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पुष्पराजगढ़ में ड्यूटी में तैनात सुरक्षा गार्ड रामचरण को बिजली के तार के जलने की बू आने पर वह उस और जाकर देखा तो बिल्डिंग के बिजली फिटिंग के एमसीबी बोर्ड से धुआं निकल रहा था जिसकी सूचना तत्काल गार्ड द्वारा डॉक्टर सुरेंद्र सिंह को एवं ड्यूटी में उपस्थित नर्स अनीता मरावी को दी घटना की जानकारी लगते ही डॉक्टर श्री सिंह तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे और और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की बिल्डिंग में सुरक्षा हेतु लगाए गए अग्निशामक यंत्र को गार्ड से लाने को कहा और खुद भी एक सिलेंडर को दीवार से लगे स्टैंड से निकाल कर चालू कर गार्ड को धुआ निकल रही जगह पर छिड़काव करने को कहा छिड़काव करते ही धुआ निकल रहे जगह पर आग पर काबू का लिया गया इस प्रकार ड्यूटी में तैनात सुरक्षा गार्ड की सूझबूझ से एक बड़ी दुर्घटना होने से बचा लिया गया। बी एम ओ पुष्पराजगढ़ डॉ.सुरेंद्र सिंह ने बताया कि पुष्पराजगढ़ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के भवन में लगभग 8 से 10 नग अग्नि सामान यंत्र दीवारों में जगह-जगह लगाए गए हैं जिससे कभी भी कोई दुर्घटना होती है तो उसे तुरंत उपयोग कर काबू पाया जा सके। साथ ही सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में कार्यरत कुछ कर्मचारियों को अग्निशामक यंत्र का उपयोग करने की ट्रेनिंग दिलाई गई है की कभी भी इमरजेंसी में वे इसे चला सके। और आज उसी के कारण एक बड़ी दुर्घटना होने से ड्यूटी में तैनात ऑन ड्यूटी गार्ड द्वारा बड़ी सूझबूझ से बचा ली गई।

दुनिया में चमक फैला रहे अनूपपुर के दीपक अग्रवाल

रेत पर कश्तियां ने मुग्ध किया साहित्यकारों को

अनूपपुर।

कोई कोई ही ऐसा होता है जिसकी कलम की तलाश में कविताएँ खुद बेचैन रहा करती हैं। शायरी अपने मिजाज, अपने हुनर, अपनी नजर और लहजे की खोज में उस कलम तक खुद पहुँचती है। हर लम्हा बदलता हुआ वक़्त और शब-ओ-रोज की बारीकियाँ जिन अल्फाजों में अक्सर अपनी आवाज हासिल करती हैं, वह कलम जिसकी अना की कीमत कोई अदा नहीं कर सकता, जहां खामोशी के अंधेरे में डुबा दी गयीं जुबानें अपना जमीर, जज्बा, रूह, ताकत और जिंदगी की उम्मीद हासिल करती हैं, दीपक अग्रवाल के पास वह कलम कहाँ से और कैसे आयी यह एक उलझी हुई पहेली है। यह तहरीर प्रख्यात कवि कथाकार फिल्म राइटर उदय प्रकाश ने मध्य प्रदेश उर्दू अकादमी के सौजन्य से अर्शिया पब्लिकेशन दिल्ली से प्रकाशित देश के जाने-माने युवा शायर दीपक अग्रवाल के हाल ही में प्रकाशित गजल संग्रह रेत पर कश्तियां के लिए लिखे गए मजमून में लिखी है। रेत पर कश्तियां दीपक अग्रवाल का पहला गजल संग्रह है जिसमें उनकी 100 गजलें संग्रहित हैं। अनूपपुर में रहने वाले दीपक अग्रवाल देश के सबसे प्रतिभावान शोरा में माने जाते हैं। इन्होंने पिछले एक दशक के दौरान लगभग देशभर में 100 से ज्यादा अखिल भारतीय कवि सम्मेलन और मुशायरों में शिरकत की है। इन्होंने देश के नामवर शोरा मुनव्वर राना, राहत इंदौरी, नवाज देवबंदी, अंजुम रहबर, मंसूर उस्मानी, अकील नोमानी, अतुल अजनबी, डॉ. तारिक कमर, जौहर कानपुरी, शबीना अदीब के साथ ही अन्य सुप्रसिद्ध कवि व शाइरों के साथ मंच साझा किया है। दीपक अग्रवाल की यह किताब किसी शहडोल संभाग के किसी शाइर की उर्दू में प्रकाशित होने वाली गजल की पहली पुस्तक है। दीपक अग्रवाल ने अपने पहले गजल संग्रह के आने के बाद उर्दू अकादमी की डायरेक्टर नुसरत मेहदी और सुप्रसिद्ध शाइर अतुल अजनबी जिन्होंने इनका हर पल साथ निभाया का खासतौर पर शुक्रिया अदा किया है। उदय प्रकाश

के अलावा सरहद पार से दुनिया के जाने-माने शाइर रहमान फारिस ने इस पुस्तक में दीपक राग की नमूद शीर्षक से लिखी अपनी बेहद अहम तहरीर में लिखा है कि दीपक अपने ही नाम ही जैसा है।

न्यूज 18 उर्दू के सीनियर एंकर और सुप्रसिद्ध शाइर डॉ. तारिक कमर ने दीपक अग्रवाल की शायरी पर अपना नजरिया यूं रखा है शेरी अदब के मौजूदा मंजर नामे पर नजर डालिए तो कभी कभी इस एहसास से दो-चार होना पड़ता है कि नई नस्ल के बेशतर शाइरों ने शेर-ओ-शऊर के इंसिलाक और रिश्तों को माजी के मजारों में दफ़्न कर दिया है। दीपक अग्रवाल के इस गजल संग्रह के मजरे आम पर आने के हिन्दी उर्दू अदब के साहित्यकारों ने मुबारकबाद देते हुए उम्मीद जताई है कि दीपक अग्रवाल आने वाले वक़्त में भी दुनिया-ए-अदब में इसी तरह अपनी रोशनी बिखेरते रहेंगे। वहीं दीपक अग्रवाल ने सभी का शुक्रिया अदा करते हुए कहा कि मेरे अब तक के साहित्यिक सफर में मेरे वरिष्ठ और साहित्यकारो, स्थानीय साहित्यकारों और परिवार जनों ने मेरा भरपूर साथ दिया। मैं अपने श्रोताओं, पाठकों और सोशल मीडिया के मित्रों का आभारी हूं। मैं विभिन्न आकाशवाणी केंद्रों, पत्र पत्रिकाओं के संपादकों, टीवी चैनल्स का भी शुक्रगुजार हूं कि जिन्होंने मुझे अवसर देकर आगे बढ़ाया।

मटकों के बाद खस पर महंगाई की छाया

अनूपपुर।

दिन रात का तापमान बढ़ने से इन दिनों शहर के रहवासियों को गर्मी का अहसास होने लगा है। अलसायी दोपहर में बाजार मे टोपी, गमछा, रंगीन चश्मो की छोटी दुकाने सजने लगी है, ठंडे पेय पदार्थों की बिक्री भी चल रही है, एक तरह से देखा जाए तो हर शख्स गर्मी से बचाव की जुगाड़ में है, बावजूद इसके मंहगाई महारानी गर्मी के इस दौर मे देशी फ्रिज कहे जाने वाले मटको और कूलरो में लगने वाली खस पर मेहरबान नही है, बताया जाता है कि मटको की निर्माण सामग्री की कीमत बढ़ने की हालत मे कुम्भकार इस साल महँगे मटके बेचने मजबूर है।

खस की जगह वुडवुड का उपयोग

उधर खस के दाम अधिक होने से खस की चटाईयॉ बेचने वाले भी पशोपेश मे पड़े हुए है, फिलहाल लग रहा है खस की सौंधी महक लकड़ी के छीलन मे खो गयी है, उल्लेखनीय है कि शहर मे कूलरो को ठंडा रखने वाले खस की दुकाने

सज चुकी हुई तो है,किन्तु आमजनों का कहना है कि अब खस मे पहले जैसी ठंडक नही रही है,उसकी जगह बुडवुल का उपयोग होने लगा है, यह खस किस्म की लकड़ी की छीलन है जो बाहर से मॅगायी जाती है,खस और बुडवुल के रेट मे अंतर होता है,बुडवुल की छीलन भेड़ाघाट से आ रही है, इसकी चटाईयो कूलर मे लगाने से फर्क सिर्फ यह है कि खस जैसी सौधी महक नही उठती पर कूलर ठंडा हो जाता है,कूलरो को व्यवस्थित करने की जुगाड करने वाले लोगो की माने तो लकड़ी वाली चटाईयों की कीमत फिलहाल कम है जबकि खस की कमी का आलम है, खस न खरीदना का मलाल है पर ज्यादा जरूरी हुआ तो कूलरो की लकड़ी की चटाई एक दो बाद बदल लेगें,कूलर की चटाईयॉ बेचने वाले गरीब दुकानदारो का कहना है कि हमारे धंधे मे पहले जैसी कमायी नही रह गयी है, लोगों के घरो में कूलरो की तादाद बढ़ती जा रही है, किन्तु खस की बिक्री बढ़ने की बजाय कम हो गयी है,एक समय था जब वे खस से बनी चटाईयॉ ग्राहको को दे नही पाते थें,अब गर्मियो मे लोग लकड़ी का छीलन बुडवुल खरीदकर कूलरो मे लगा रहे है,बहुत कम ग्राहक है जो खस की सौंधी महक को समझते है और कहते है कि कुदरत के खस के आगे सब फीका है,ऐसे ग्राहको के लिस खस का इंतजाम करना मुश्किल है,वैसे सच है कि जबसे कूलर निर्माताओं ने बुडवुल का उपयोग करना शुरू किया है,तबसे खस की पूछपरख भी घट गयी है, उन्होने बताया कि अब ग्राहको की पहली पसंद बुडवुल है जो सस्ती और ठंडक देने वाली है,कूलर चटाई विक्रेताओं का कहना है कि बावजूद विपरीत स्थिति के हमारे घरो मे महिलाएँ कूलर की चटाईयो की कमानी बना रही है और हम तेज धूप मे अपनी दुकानो मे काम कर जीविका चला रहे है,यकीन है कि ईश्वर हमे दो वक्त की रोटी मयस्सर कराएगा।

जनजातीय विश्वविद्यालय में मनाया पूर्वोत्तर वसंत महोत्सव

अमरकंटक।

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय अमरकंटक के नॉर्थ ईस्ट फोरम ने विश्वविद्यालय परिसर में पूर्वोत्तर वसंत महोत्सव 2024 का आयोजन किया, जो संस्कृति, एकजुटता और उत्सव का एक जीवंत प्रदर्शन है। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. प्रकाश मणि त्रिपाठी और श्री शील मंडल की अध्यक्ष श्रीमती शीला त्रिपाठी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, साथ ही इस कार्यक्रम में संकायअध्यक्ष, विभागाध्यक्ष, शिक्षक और छात्रों का उत्साह पूर्ण सहभागिता देखा गया, सभी उत्तर पूर्वी विरासत की समृद्ध संस्कृति का उत्सव मनाने के लिए एक साथ आए। विश्वविद्यालय के कुलपति ने इतनी भव्यता और सांस्कृतिक महत्व का कार्यक्रम आयोजित करने के लिए नॉर्थ ईस्ट फोरम को बधाई दी, उन्होंने विभिन्न समुदायों के बीच सद्भाव और समझ को बढ़ावा देने में इस तरह के आयोजन के महत्व पर जोर दिया, जो अंततः लोकसंस्कृतियों के संरक्षण तथा उन्हें बढ़ावा देने के रूप में विश्वविद्यालय के उद्देश्य को पूरा करता है। पूर्वोत्तर वसंत महोत्सव 2024 विविधता को अपनाने और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देने, समावेशिता और एकता के प्रतीक के रूप में आईजीएनटीयू की विरासत को मजबूत करने की विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता के प्रमाण के रूप में खड़ा है। उद्घाटन समारोह में अकादमिक एवं अनुसंधान निदेशक प्रोफेसर आलोक श्रोत्रिय ने बधाई दी और इस तरह के उल्लेखनीय कार्यक्रम के आयोजन में अनुकरणीय प्रयासों के लिए नॉर्थ ईस्ट फोरम की सराहना की। वरिष्ठ आचार्य प्रो. एके शुक्ला ने भी आयोजकों के प्रयास की सराहना की। कार्यक्रम के आयोजक के रूप में पूर्वोत्तर से आने वाले संकाय सदस्यों में समाज कार्य विभाग के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर हंजाबम शुखदेबा शर्मा, प्रो एन सुरजीत कुमार, डॉ. शिवाजी चौधरी, डॉ. संजय सिंह, डॉ. पल्लवी दास, डॉ. आरके बिजेता, डॉ. कृष्णामणि भागवती, डॉ. अचुन रोंगमेई और सुश्री तनुश्री सूत्रधार ने पूर्वोत्तर के सभी राज्यों का प्रतिनिधित्व करने वाले छात्रों के साथ मिलकर एकता और सहयोग की भावना का प्रदर्शन किया कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रम था, जहां छात्रों ने पूर्वोत्तर राज्यों की विविध परंपराओं, संस्कृतियों और रीति-रिवाजों का प्रदर्शन करते हुए दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

सीएमएचओ कार्यालय में पदस्थ संविदा उपयंत्री सतीश कुमार शुक्ला बर्खास्त

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन संचालक ने तत्काल प्रभाव से निरस्त की संविदा नियुक्ति

अनूपपुर।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय अनूपपुर में पदस्थ संविदा उपयंत्री सिविल सतीश कुमार शुक्ला को उनके कार्यो के प्रति लापरवाही बरतने एवं गंभीर अनियमितता के मामले में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन संचालक प्रियंका दास ने सेवा से बर्खास्त कर दिया है। जानकारी के अनुसार मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा संविदा उपयंत्री सिविल सतीश कुमार शुक्ला पर उच्च अधिकारियों द्वारा दिए गए निदेर्शो का पालन नही किए जाकर आदेशों की अवहेलना, कार्यस्थल (मुख्यालय) में निवास नही करने, माप पुस्तिकाओं में दर्ज त्रुटियों को सचेत किए जाने के बाद भी त्रुटियां परलक्षित नही होने का प्रतिवेदन राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन संचालक को प्रेषित किया गया था, जहां मिशन संचालक ने 22 मार्च को उक्त बिन्दुओं के स्पष्टीकरण हेतु कारण बताओं नोटिस जारी की गई थी, जहां संविदा उपयंत्री सतीश कुमार शुक्ला ने 4 अप्रैल को प्रतिवाद उत्तर एनआरएचएम के मुख्य प्रशासकीय अधिकारी प्रेषित किया गया, किन्तु प्रेषित उत्तर म.प्र. शासन, लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग मंत्रालय भोपाल द्वारा उपयंत्री (सिविल) को आवंटित कार्यदायित्वों का अवलोकन किया गया जिसमे वरिष्ठ अधिकारियों, नियंत्रणकर्ता अधिकारी द्वारा समय-समय पर दिए गए दिशा-निदेर्शों का पालन नही किए जाने पर आवंटित कार्य में उदासीनता एवं लापरवाही परिलक्षित होने, जिला मुख्यालय में निवास नही करने एवं कार्य स्थल नही जाने पर कार्यो में विपरीत प्रभाव पड? तथा भुगतान हेतु माप पुस्तिकाओं में माप दर्ज करने में त्रुटियां परिलक्षित होने पर गंभीर अनियमितता पाए जाने की पुष्टि होने तथा लक्ष्य अनुरूप परिणाम हासिल नही किए जाने पर राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन संचालक प्रियंका दास ने उक्त कृत्य मानव संसाधन मैनुअल 2011 (संशोधित) की कंडिका 11.1 एवं 11.3 में उल्लेखित प्रावधानों के विपरीत होकर कदाचरण की श्रेणी में आने पर 24 जनवरी 2012 को सतीश कुमार शुक्ला की संविदा उपयंत्री सिविल जिला अनूपपुर में की गई नियुक्ति को तत्काल प्रभाव से निरस्त कर दिया गया।

दोषी पाये गये प्राचार्य

डिंडौरी। एकलव्य आदर्ष आवासीय विद्यालय डिण्डौरी के प्राचार्य एम के गवले के विरूद्ध छात्र-छात्राओं द्वारा पिछले वर्ष लगाये गए गंभीर आरोपो की जांच रिर्पोट दस माह बाद आई। कलेक्टर विकास मिश्रा द्वारा इसकी पुष्टि करते हुए बताया गया कि जांच रिर्पोट में प्राचार्य दोषी पाये गये है। प्राचार्य के विरूद्ध कार्यवाई के लिए शासन को प्रस्ताव भेजा जा रहा है ।

कार्यशाला में अग्निवीर चयन परीक्षा एवं अन्य प्रतियोगी परीक्षा के चयन की दी गई जानकारी

डिंडौरी। शासकीय महाविद्यालय बजाग में शुक्रवार को महाविद्यालय के सभागार में स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के तत्वावधान में अग्निवीर भर्ती के क्षेत्र में रोजगार के अवसर अंतर्गत शारीरिक दक्षता एवं लिखित चयन परीक्षा की तैयारी तथा अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी आदि विषयों पर एकदिवसीय कार्यशाला का आयोजन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. मनोज कुमार कुशवाह के मार्गदर्शन में सफलतापूर्वक संपन्न किया गया स तत्पश्चात कार्यशाला की शुरुआत में श्री अरविन्द डहेरिया द्वारा छात्र - छात्राओं को अग्निवीर भर्ती परीक्षा में चयनित होने हेतु शारीरिक दक्षता परीक्षा की तैयारी एवं सफलता प्राप्त करने के लिए मौखिक तथा प्रायोगिक व्याख्यान स्वरूप विस्तृत मार्गदर्शन प्रदान किया गया स तत्पश्चात स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के प्रभारी डॉ. दुर्गाप्रसाद गुप्ता द्वारा प्रकोष्ठ की योजनाओं के बारे में बताते हुए अग्निवीर भर्ती परीक्षा की पृष्ठभूमि एवं अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं में चयनित होने हेतु छात्र-छात्राओं को विशेष मार्गदर्शन प्रदान कर प्रेरित किया गया।